संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 344
पृष्ठ 8
गुरुवार
05 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इस बार भी दिल्ली में...

विचार- बुलडोजर पर सुप्रीम कोर्ट की...

खेल- ईशान किशन को क्या हुआ? अचानक...

विपक्ष पर बरसे योगी : पहले की सरकारें माफिया के सामने नाक रगड़ती थी, अब हर नागरिक को सुरक्षा मिल रही है

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जनपद प्रयागराज में 5,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति–पत्र वितरण, विद्यार्थियों को स्मार्टफोन,टैबलेट वितरण, विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को ऋण वितरण व सहायता राशि का अंतरण एवं 407 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण,शिलान्यास कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोला। सीएम योगी ने कहा कि हर माफिया को हमने सही जगह पर पहुंचाया है। पहले की सरकारें माफिया के सामने नाक रगड़ती थी। जिस माफिया ने सिर उठाया उसके कुचला गया। योगी ने कहा कि सामाजिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न कर राज्य के लोगों के सामने पहचान का संकट खड़ा करने वाली सपा के डीएनए में अराजकता और गुंडागर्दी पैवस्त है और उसके शासन में हर नौकरी की नीलामी होती थी। मुख्यमंत्री ने कहा अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव जब नौकरी के फार्म निकलता था तो लूट खसोट शुरू कर देते थे। आदित्यनाथ ने कहा, यह वही लोग हैं जिन्होंने आपके सामने पहचान का संकट खड़ा किया, सामाजिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न किया। अराजकता और गुंडागर्दी इनके डीएनए का हिस्सा है। इनका मॉडल विकास का नहीं है। यह लोग विकास के कार्यों में लूट मचाने वाले लोग हैं। इन्होंने विकास और गरीब कल्याण के लिए जो धनराशि राज्य की लगानी चाहिए थी उसमें लूट खसोट की। नौजवानों को मिलने वाली नौकरियों में डकैती डाली गई। मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव पर कटाक्ष करते हुए उनका नाम लिये बगैर कहा, 2017 से पहले हर नौकरी बिकती थी। उसकी नीलामी होती थी। वसूली में चाचा और भतीजा समान भागीदार होते थे और बाद में जब ज्यादा वसूली होती थी तो चाचा को धकेल दिया जाता था और भतीजा अकेले ही बैग लेकर भाग जाता था। यही दृश्य पूरे प्रदेश का हुआ करता था। उन्होंने सपा पर हमले जारी रखते हुए कहा, इनको प्रयागराज की चिंता नहीं थी। इन्हें स्वयं की चिंता थी इसीलिए जब उन्हें लगा कि उत्तर प्रदेश सुरक्षित नहीं रहा तो दोनों ने अपने लिए दुनिया के अलग–अलग देश में द्वीप खरीद लिए होंगे। आदित्यनाथ ने कहा, लेकिन हमें और आपको इसी प्रदेश में रहना है। चाचा की तो नियति ही है कि हर बार धक्का खाकर वहीं पड़े रहना... लेकिन प्रदेशवासियों को धक्के खाने की अपनी आदत से उबरना पड़े गा। सम्मान के साथ राष्ट्रवादी मिशन का सिपाही बनकर आगे बढ़ने की आदत डालनी पड़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने कहा था कि हम हिंदुओं की आस्था का सम्मान करेंगे। आज आप देख रहे होंगे कि काशी में काशी विश्वनाथ धाम बना है। अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है और मथुरा वृंदावन में भी विकास के कार्य नए सिरे से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो उसने जन्माष्टमी के आयोजन पर रोक लगा दी थी क्योंकि जन्माष्टमी में श्री कृष्ण भगवान के उद्घोष से कुछ लोगों को परेशानी होती थी। जब मैं 2017 में सरकार में आया तो मैंने कहा कि एक ही तो आयोजन है जो जेल में थानों में और पुलिस लाइन में होता है, इसको धूमधाम से आयोजित करो। आज जन्माष्टमी का आयोजन पूरी भव्यता के साथ सभी 1585 थानों और सभी कारागारों में किया जाता है।'' आदित्यनाथ ने कहा, सरकार हर तबके के उत्थान के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। आप भी भाजपा के डबल इंजन सरकार के इस अभियान का हिस्सा बनिये। इसके लिए आज मैं आपके पास आया हूं। ताकि भविष्य में कोई ऐसी गलती आप से न हो जिससे उन्हें मौका मिले।

त्रिपुरा के दो उग्रवादी समूहों के साथ शांति समझौते पर हुए हस्ताक्षर

● अमित शाह बोले– मोदी सरकार में मिटी दूरियां

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य की मौजूदगी में गृह मंत्रालय में भारत सरकार, त्रिपुरा सरकार, एनएलएफटी (नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा) और एटीटीएफ (ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि त्रिपुरा में हिंसा समाप्त करने के लिए केंद्र, राज्य सरकार और दो उग्रवादी समूहों के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर में अब तक हुए सभी शांति समझौतों को लागू किया है। शाह ने कहा कि यह हम सभी के लिए खुशी की बात है कि 35 वर्षों से चल रहे संघर्ष के बाद आप हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं और संपूर्ण त्रिपुरा के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं तब से उन्होंने शांति और संवाद के जरिए सक्षम और विकसित पूर्वोत्तर का विजन देश के सामने रखा है। पूर्वोत्तर के लोगों और दिल्ली के बीच काफी दूरी थी। उन्होंने सड़क, रेल और हवाई संपर्क के माध्यम से न केवल इस दूरी को मिटाया बल्कि लोगों के दिलों के बीच की दूरियां भी मिटाईं। गृह मंत्री ने कहा कि यह समझौता पूर्वोत्तर के लिए 12वां और त्रिपुरा से जुड़ा तीसरा समझौता है। अब तक लगभग 10,000 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है, हथियार छोड़ दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि आज, एनएलएफटी और एटीटीएफ के आत्मसमर्पण और समझौते के साथ, लगभग 328 से अधिक सशस्त्र कैडर मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे। त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने कहा कि मैं पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और सद्भावना का माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए एचएम अमित शाह का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और एचएम अमित शाह की सक्रिय पहल के तहत, पिछले 10 वर्षों में पूर्वोत्तर में कई जटिल मुद्दों को हल करने के लिए एक दर्जन शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनमें से अकेले त्रिपुरा के लिए 3 हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत संतोष की बात है कि एनएलएफटी और एटीटीएफ के सदस्यों ने हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास यात्रा में भाग लेने के लिए मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है।

गौ रक्षा के नाम पर आर्यन की हत्या में भाजपा और हरियाणा सरकार जिम्मेदार : 'आप'

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी(आप) ने फरीदाबाद में गौ रक्षा के नाम पर 12वीं के छात्र आर्यन मिश्रा की हत्या में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा," हरियाणा के फरीदाबाद में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई, जिसमें गौरक्षा के नाम पर मानवता की हत्या की गई है। गौरक्षा के नाम पर आतंक फैलाया जा रहा है। यह कौन लोग हैं जो गायों की रक्षा और हिन्दू धर्म के ठेकेदार बने हुए हैं? इन्हें किसने ये जिम्मेदारी दी है? देश के प्रधानमंत्री ऐसे सभी मामलों पर एक शब्द नहीं बोलते हैं। भाजपा ऐसी हत्याओं पर खामोश रहती है। हरियाणा की भाजपा सरकार भी ऐसी हत्याओं पर खामोश रहती है। इसका मतलब साफ है कि हरियाणा की भाजपा सरकार खुद ऐसी हत्याओं को प्रायोजित कर रही है और इन्हें संरक्षण दे रही है।"

उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल से भरा नामांकन, कहा- विकास के लिए लड़ रहे चुनाव

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को आगामी चुनाव के लिए गांदरबल विधानसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया। अब्दुल्ला ने अपना नामांकन भरने के बाद कहा कि मैंने गांदरबल से (नामांकन) पर्चा भर दिया है। आइए इस बारे में बात न करें कि कौन कहां से चुनाव लड़ रहा है। गांदरबल के लोगों ने मुझे तीन बार संसद सदस्य और एक बार विधायक के रूप में चुना है। मैंने अपनी सीट केवल इश्फाक जब्बार के लिए छोड़ी है क्योंकि मैंने उनसे ऐसा करने का वादा किया था और फिर वह विधायक बन गए लेकिन उन्होंने गांदरबल के लोगों को धोखा दिया, आज हम गांदरबल के विकास के लिए चुनाव लड़ने जा रहे हैं। अब्दुल्ला ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और अपने बेटों के साथ गांदरबल में मिनी सचिवालय में रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष पर्चा दाखिल किया। पूर्व सीएम एक गाड़ी के ऊपर बैठकर लघु सचिवालय पहुंचे। नामांकन के दौरान भारी संख्या में उत्साही एनसी समर्थक उनके साथ थे। एनसी नेता की उस निर्वाचन क्षेत्र में वापसी का प्रतीक है जिसका उन्होंने 2009 से 2014 तक प्रतिनिधित्व किया था जब वह पूर्ववर्ती राज्य जम्मू–कश्मीर में एनसी–कांग्रेस गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने 2014 का विधानसभा चुनाव मध्य कश्मीर के बडगाम जिले की बीरवाह विधानसभा सीट से लड़ा और जीता। अब्दुल्ला ने श्रीनगर की सोनवार सीट से भी चुनाव लड़ा था, लेकिन वहां तत्कालीन पीडीपी नेता मोहम्मद अशरफ मीर से हार गए थे। गांदरबल निर्वाचन क्षेत्र अब्दुल्ला परिवार का गढ़ रहा है और एनसी के संस्थापक शेख मुहम्मद अब्दुल्ला और निवर्तमान अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कई बार इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे का मोदी सरकार पर वार, बोले-

मणिपुर के लोगों की रक्षा करने में बुरी तरह विफल पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश दौरे पर हैं वहीं, कांग्रेस मणिपुर के बहाने उनपर लगातार निशाना साध रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी पर मणिपुर के लोगों की रक्षा करने में ''बुरी तरह विफल'' होने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में अशांति भारत के लोगों के साथ उनके विश्वासघात की लंबी सूची में एक और कड़ी है। खड़गे ने लंबे एक्स पोस्ट में लिखा कि मणिपुर को हिंसा की चपेट में आए 16 महीने हो गए हैं, लेकिन आपकी 'डबल इंजन' सरकार ने इसे कम करने के लिए कुछ नहीं किया है। ऐसा कोई उपाय नहीं किया गया है जो सभी समुदायों के लोगों में शांति और सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए विश्वास पैदा करे। खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इसे उजागर क्यों किया और आपके द्वारा उन्हें बर्खास्त क्यों नहीं किया गया? क्या वह वास्तव में राज्य मशीनरी को पंगु बनाने और अप्रिय बयान देने के लिए दोषी नहीं है, जो अब सार्वजनिक डोमेन में दर्ज किया गया है? उस गोली से बेशर्मी से बचने के लिए इस्तीफे का नाटक रचा गया। उन्होंने आगे पूछा कि मोदी जी, आप इतने बेशर्म क्यों हो गए हैं? आपने राज्य में कदम रखने की जहमत क्यों नहीं उठाई? आपके अहंकार के कारण ही सभी समुदाय के लोगों को परेशानी हो रही है। आपकी सरकार की अक्षमता और बेशर्मी एक मौलिक शांति प्रक्रिया भी शुरू नहीं कर पाई है! इसके साथ ही कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि हाल ही में इम्फाल पश्चिम जिले में ड्रोन हमलों के माध्यम से बमबारी हुई है और ऐसा लगता है कि केंद्रीय गृह मंत्री गाड़ी चलाते समय सो रहे हैं। यहां तक घ्घकि आपके अपने बीजेपी नेताओं और उनके घरों पर भी हमले हो रहे हैं।

मणिपुर में पुलिस और आर्मी का जॉइंट ऑपरेशन, हथियारों का जखीरा जब्त

मणिपुर, एजेंसी। भारतीय सेना ने असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस और अन्य अर्धसैनिक बलों के साथ, जातीय–हिंसा प्रभावित मणिपुर के विभिन्न जिलों से बड़ी मात्रा में हथियार, गोला–बारूद और अन्य युद्ध जैसी सामग्री जब्त की। अधिकारियों ने कहा कि एकीकृत अभियानों में व्यापक योजना और खोजी कुत्तों, मेटल डिटेक्टरों और अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का विवेकपूर्ण उपयोग शामिल था। 28 अगस्त को विशिष्ट खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की एक संयुक्त टीम ने काकचिंग जिले के सेकमाइजिन इलाके में एक छिपे हुए शस्त्रागार का पर्दाफाश किया। बरामद वस्तुओं में एक स्टेन मार्क–वी राइफल, दो 12–बोर सिंगल–बैरल राइफल, दो 9 मिमी पिस्तौल, नौ हथगोले और अन्य सैन्य–ग्रेड उपकरण शामिल हैं। दो दिन बाद, 30 अगस्त को, कांगपोकपी जिले में एक और सफल छापेमारी की गई। सुरक्षा बलों ने एक सोवियत राइफल, एक स्थानीय रूप से निर्मित राइफल, एक बोल्ट–एक्शन राइफल, एक 0.22 कैलिबर पिस्तौल, एक तात्कालिक मोर्टार, छह पोम्पिस, और सगोलमांग के पास चांगसांग और सैकुल के पास एकौ मुल्लम से अतिरिक्त युद्ध जैसे भंडार जब्त किए। सबसे महत्वपूर्ण बरामदगी 1 सितंबर, 2024 को हुई, जब मणिपुर आर कॉरिडोर, मोलनोम–सेनम हिल्स, और चुराचांदपुर, तेंगनौपाल और चंदेल जिलों में सैवोम हिल्स में संयुक्त अभियान के तहत हथियारों की एक विस्तृत श्रृंखला की बरामदगी हुई।

हेट स्पीच मामले में अखिलेश-ओवैसी पर फैसला 17 सितम्बर को

लखनऊ, एजेंसी। वाराणसी की अदालत में ज्ञानवापी परिसर में मिली शिवलिंग जैसी आकृति को लेकर विवादित बयानबाजी और वजूखाने में गंदगी फैलाने के मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, शहर काजी व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग पर सुनवाई पूरी हो गई। अपर जिला जज नवम विनोद कुमार सिंह की अदालत ने इस मामले में आदेश के लिए 17 सितंबर की तिथि नियत की है। सुनवाई के दौरान उल्लेखनीय यह रहा कि वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता रवि प्रकाश शुक्ल ने आधे घंटे तक दलील पेश की। कहा कि हेट स्पीच के मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमा दर्ज करने को कहा है। ऐसे में मुकदमा दर्ज होना चाहिए। अधिवक्ता हरिशंकर पांडेय की तरफ से दाखिल निगरानी याचिका पर तीन सितंबर मंगलवार को सुनवाई के दौरान दलील पेश की गई।

विनेश और बजरंग ने की राहुल से मुलाकात, तेज हुई हरियाणा से चुनाव लड़ने की अटकलें

नयी दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की, जिससे दोनों पहलवानों के चुनावी अखाड़े में दांवपेंच आजमाने की अटकलें जोर पकड़ने लगी हैं। कांग्रेस ने अपने अधिकारिक 'एक्स' पेज पर श्री गांधी के साथ दोनों पहलवानों की तस्वीरें पोस्ट की है। दोनों खिलाड़ियों से मिलने के बाद श्री गांधी जम्मू–कश्मीर के लिए रवाना हो गये। पहलवानों की इस मुलाकात से राजनीतिक गलियारों में कयास लगाये जा रहे हैं कि विनेश और बजरंग पार्टी के टिकट पर विधानसभा चुनाव में उतर सकते हैं। इन अटकलों ने तब जोर पकड़ा, जब श्री गांधी से मुलाकात के बाद दोनों खिलाड़ियों ने कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल से लम्बी मुलाकात की। बताया जा रहा है कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा दोनों खिलाड़ियों को टिकट देने के पक्ष में है। कांग्रेस यदि उन्हें टिकट देना सुनिश्चित करती है तो दोनों खेल कोटे से मिली सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे सकते हैं। विनेश और बजरंग ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोप से घिरे भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यहां जंतर मंतर पर लंबा आंदोलन किया था और उस दौरान श्री गांधी सहित कांग्रेस के कई नेता उनके आंदोलन का समर्थन करने पहुंचे थे।

वायनाड पीड़ितों के लिए राहुल गांधी ने डोनेट की एक महीने की सैलरी

वायनाड, एजेंसी। वायनाड त्रासदी में पीड़ितों के लिए राहुल गांधी ने एक महीने की सैलरी डोनेट की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वायनाड में हमारे भाई–बहनों ने एक भीषण त्रासदी का सामना किया है, और इस अकल्पनीय नुकसान से उबरने के लिए उन्हें हमारे समर्थन की सख्त जरूरत है। मैंने प्रभावित लोगों की राहत और पुनर्वास के प्रयासों में सहायता के लिए अपने पूरे महीने का वेतन दान कर दिया है। मैं पूरे दिल से सभी साथी भारतीयों से अनुरोध करता हूं कि वे भी अपनी क्षमता अनुसार मदद करें। हर छोटी से छोटी सहायता भी एक बड़ा फर्क ला सकती है।

पश्चिम बंगाल के समान ही महाराष्ट्र में भी रेप के दोषियों के लिए कानून बनें : शरद पवार

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने बलात्कार के खिलाफ पश्चिम बंगाल विधानसभा द्वारा पारित विधेयक के समान ही महाराष्ट्र में भी ऐसा विधेयक लाने की वकालत बुधवार को की। पश्चिम बंगाल विधानसभा में पारित विधेयक में बलात्कार के दोषियों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। पवार ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस पर उनकी इस कथित टिप्पणी के लिए निशाना साधा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने कभी सूरत को नहीं लूटा। उन्होंने कहा कि किसी को भी लोगों के समक्ष गलत इतिहास पेश नहीं करना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने मंगलवार को सर्वसम्मति से बलात्कार रोधी विधेयक पारित कर दिया, जिसमें पीड़िता की मौत होने या उसके 'कोमा जैसी स्थिति में जाने पर दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है। कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 9 अगस्त को एक चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना के बाद जारी व्यापक प्रदर्शनों के मद्देनजर, यह विधेयक पेश व पारित करने के लिए विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया था। पवार ने कहा, '' महाराष्ट्र को पश्चिम बंगाल विधानसभा द्वारा पारित विधेयक की तरह ही विधेयक लाने पर विचार करना चाहिए। मेरी पार्टी ऐसे विधेयक का समर्थन करती है...महाराष्ट्र में अब कोई विधानमंडल सत्र नहीं होगा क्योंकि जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

जिस मदरसा में जाली करेंसी छपी, उसे सील किया

70 बच्चों को घर भेजा, मदरसा को हर साल तुर्की, सऊदी से 48 लाख चंदा मिल रहा

प्रयागराज। प्रयागराज के जिस मदरसा में जाली करेंसी छापी जा रही थी, पुलिस ने बुधवार दोपहर उसे सील कर दिया। हॉस्टल में रहने वाले 70 बच्चों को उनके घर भेज दिया गया। ये बच्चे 6 राज्यों के हैं। गेट पर पुलिस और मदरसा कमेटी का ताला लगा है। इस मदरसा से पढ़कर निकले 630 बच्चों को प्ठ और ।ज्ै 6 राज्यों में ढूंढ रही है। ये वही बच्चे हैं, जिनका मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन ने ब्रेनवॉश किया है। जांच में सामने आया कि मदरसा को तुर्की, सऊदी अरब और दुबई में बैठे लोग पैसा भेज रहे हैं। हर साल करीब 48 लाख रुपए के ट्रांजैक्शन हो रहे थे। यह पैसा किन बैंक अकाउंट में आता था? कहां खर्च होता था? एजेंसियां जांच कर रही हैं। जाली करेंसी मामले की जांच के लिए प्ठ की टीम 28 अगस्त को मदरसा पहुंची। मौलवी के कमरे की जांच में कई आपत्तिजनक किताबें और तस्वीरें बरामद कीं। प्ठ की टीम को मदरसे से जो किताबें मिली हैं, उनमें एक किताब का नाम है– ै देश का सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन। इसके लेखक SM मुशर्रफ, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (महाराष्ट्र) हैं। मूल किताब उर्दू भाषा में लिखी गई है। इसके हिंदी और मराठी अनुवाद वाली भी किताबें हैं। यह किताब मदरसे के कार्यवाहक प्रिंसिपल मौलवी तफसीरुल आरीफीन के कमरे से मिली है। मौलवी यह किताब बच्चों को पढ़ाता था। अब IB और ATS मदरसा कमेटी को मिलने वाले फंड को ट्रेस कर रही है। कमेटी के मैनेजर शाहिद ने बताया – विदेश और देश के अलग–अलग शहरों के लोग हम इमदार (मदद) के रूप में पैसे भेजते हैं। यह पैसा बच्चों की तालीम, उनके रहने–खाने पर खर्च होता है। साथ ही, मदरसा चलाने के खर्च भी हैं। कमेटी ने प्ठ और ।ज्ै के सामने खर्च का लेखा–जोखा रखा है। जब IB और ATS ने इस लेखा–जोखा के जरिए चंदा को ट्रेस करना शुरू किया, तब सऊदी अरब, दुबई और तुर्की के कनेक्शन सामने आए। बच्चों की पढ़ाई के लिए मिलने वाला चंदा विदेशी अकाउंट से आ रहा था। जांच कर रहे अधिकारियों ने पैसा भेजने वाले लोगों की पहचान तो उजागर नहीं की है। मगर इनका पाकिस्तान से कनेक्शन तलाशा जा रहा है। इन बैंक अकाउंट को हैंडल करने वाले लोगों की कुंडली एजेंसियां खंगाल रही हैं। मदरसा कमेटी के लोगों से करीब 3 घंटे पूछताछ की गई। सामने आया कि मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन प्रिंसिपल बनने के बाद चंदा के लिए विदेश में बैठे सभी लोगों के संपर्क में था। बताया गया कि भारत के ही जो लोग विदेशों में बस गए हैं, वहीं बच्चों की तालीम के लिए रुपए भेज रहे थे। जांच एजेंसी ने मदरसा चला रही कमेटी से जुड़े 12 लोगों के बैंक अकाउंट की डिटेल मांगी है। बैंक एडमिनिस्ट्रेशन ब्योरा जल्द ही एजेंसी के साथ साझा कर लेगा। इसके बाद सामने आएगा कि अलग–अलग तारीखों में किस तरह से पैसा आया है। सुरक्षा एजेंसी ने प्रिंसिपल मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन के परिवार और रिश्तेदारों के बैंक अकाउंट की डिटेल भी तलाश रही है। प्रयागराज में यह मदरसा करीब 80 साल पुराना है। मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन 3 साल से प्रिंसिपल है। इससे पहले उसके पिता आशिकुल रहमान प्रिंसिपल थे। उनकी शहर में अच्छी पहचान थी। कोविड की वजह से उनकी मौत हो गई। इसके बाद उनके बेटे मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन को कार्यवाहक प्रिंसिपल बनाया गया। करीब 6 साल से वह मदरसा के बच्चों को पढ़ाता आ रहा है। हर साल औसतन करीब 105 बच्चे इस मदरसा से पढ़कर बाहर आते हैं। अब उन्हें ही जांच एजेंसी तलाश रही है। एजेंसियां मान रही है कि मौलवी ने उनके दिमाग में क्या फीड किया, यह पता करना बहुत जरूरी हो गया है। एजेंसी के पास कई बच्चों के नाम–पते हैं। वह इन बच्चों से संपर्क कर रही है। जब जांच एजेंसियां मदरसा पहुंची। दस्तावेज में उन्हें 105 बच्चों के नाम रजिस्टर में लिखे हैं। जो 1 साल के लिए रजिस्टर्ड किए गए। 70 बच्चे तालीम हासिल कर रहे थे। जांच अधिकारियों को कमेटी ने बताया कि इस साल पढ़ने वाले बच्चे अपने घरों के लिए लौट चुके हैं। पिछले 5 सालों में भी औसतन 100–100 बच्चे पढ़ाई पूरी करते रहे हैं। इस मदरसा में यूपी के अलावा बिहार, ओडिशा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल सहित 6 राज्यों के बच्चे पढ़ने आते हैं। इसी मदरसा में हॉस्टल बना है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लोअर कोर्ट के तलाक की अर्जी अस्वीकार करने के आदेश को रद्द किया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पति सहित पूरे परिवार पर दुर्भावनापूर्ण आपराधिक केस दर्ज कराना क्रूरता है। कोर्ट ने कहा 29 साल से बिना किसी उचित कारण के पति से पत्नी अलग रह रही हैं। कोर्ट ने अधीनस्थ अदालत ने तलाक की अर्जी निरस्त करने के खिलाफ अपील मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह तथा न्यायमूर्ति डी रमेश की खंडपीठ ने बंसत कुमार द्विवेदी की अपील पर दिया। उत्तराखंड, हरिद्वार निवासी याची बंसत कुमार की शादी 29 अप्रैल 1992 को बलिया निवासी युवती से हुई थी। याची इंजीनियर है। शादी के बाद याची की पत्नी बमुश्किल दो साल तक उसके साथ रही। 8 नवंबर 1995 को युवती ने पति का घर स्थायी रूप से छोड़ दिया और अपने मायके बलिया चली आई। 29 साल से दोनों अलग रह रहे हैं। पति ने तलाक की अर्जी दी, जिसे बलिया स्थानांतरित कर दिया गया और अदालत ने तलाक की अर्जी खारिज कर दी। इसी दौरान पत्नी ने पति के पूरे परिवार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में आपराधिक मुकदमा दर्ज करा दिया। कोर्ट ने दुर्भावना पूर्ण आपराधिक मुकदमा दर्ज कराना और बिना कारण के 29 साल तक पति से अलग रहने को क्रूरता मानते हुए अपील मंजूर कर ली और तलाक अस्वीकार करने का आदेश रद्द कर दिया।

गर्ल्स स्कूल में जूडो-कराटे कोर्स की मांग वाली याचिका खारिज

स्कूलों में अनिवार्य कोर्स करने की मांग इलाहाबाद हाईकोर्ट से की गई थी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कक्षा 1 से 8 तक की छात्राओं को उनके गर्ल्स स्कूल में जूडो, कराटे, ताइक्वांडो कोर्स का प्रशिक्षण देने की मांग में दाखिल जनहित याचिका खारिज कर दी। यह आदेश चीफ जस्टिस अरुण भंसाली एवं जस्टिस विकास बुधवार की खंडपीठ ने इलाहाबाद की श्रीमती शालिनी अग्रवाल द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर पारित किया। याचिका में कहा गया था कि इस प्रकार का कोर्स स्कूलों में होने से जूनियर छात्राओं के मनोबल व आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और वह अपने को स्वतंत्र एवं मजबूत स्थिति में पाएंगी। याचिका में मांग की गई थी कि इस प्रकार का कोर्स छात्राओं के लिए स्कूलों में कम्पल्सरी किया जाय। सरकार की तरफ से कहा गया कि एनसीईआरटी द्वारा जारी कोर्स को स्कूलों में चलाया जाता है। कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार की जनहित याचिका के पक्ष में कोर्ट नहीं है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में आज सुनवाई

हिंदू पक्ष ने ट्रायल के लिए रखे अपने पॉइंट, मुस्लिम पक्ष जवाबी हलफनामा दाखिल करेगा

प्रयागराज। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मस्जिद के मामलों में दाखिल याचिकाओं पर बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच दोपहर दो बजे से मामले की सुनवाई करेगी। 12 अगस्त को ट्रायल शुरू होने पर वाद बिंदु तय करने के मुद्दे पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। शुरू हुए ट्रायल को लेकर हिंदू पक्ष ने कोर्ट के सामने सुनवाई के लिए पॉइंट रखे थे। वहीं मस्जिद पक्ष ने लिखित कथन (जवाबी हलफनामा) दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय मांगा था। मंदिर पक्ष ने इसका विरोध किया था और कहा था कि जवाब दाखिल करने का समय बीत चुका है। 1 अगस्त को हिंदू पक्ष की याचिकाओं को मंजूर करने के बाद से इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुकदमे का ट्रायल शुरू हो गया है। 18 सिविल वादों की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस मयंक कुमार जैन कर रहे है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में श्रीकृष्ण जन्मभूमि से संबंधित वाद पर चार घंटे सुनवाई चली थी। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्षकारों ने वाद बिंदु के लिए अपने प्रस्ताव कोर्ट को दिए। आज की सुनवाई में शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी ने अपनी आपत्ति दाखिल की है। मस्जिद कमेटी ने कोर्ट को दलील दिय कि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।कहा कि सर्वोच्च न्यायालय से फैसला आने तक मुकदमों का ट्रायल न किया जाए। हिंदू पक्ष की तरफ से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल पर रोक नहीं लगाई है, इसलिए मुकदमों का ट्रायल चलते रहना चाहिए। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच में दोनों पक्षकारों की तरफ से दलीलें दी जाती रहीं। पिछली सुनवाई में इस वाद में शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता नसीरुज्जमा नेध शिकायत किया था कि वाद की प्रति उन्हें देने के आदेश का पालन नहीं किया गया। इसी कारण वह कोर्ट में जवाब दाखिल नहीं कर पाए। वादी अधिवक्ता शशांक सिंह ने कहा था कि वाद की प्रति विपक्षी अधिवक्ता को दी जाएगी। इसी मामले पर सोमवार को दलीलें रखी जाएंगीं। 6 जुलाई को हुई सुनवाई में क्या हुआ थामथुरा के ठाकुर केशव देव जी महाराज विराजमान मंदिर कटरा केशव देव और अन्य, भगवान श्रीकृष्ण विराजमान कटरा केशव देव सिविल वाद संख्या तीन और दस की सुनवाई हुई थी। तब इस मामले में आगरा की जामा मस्जिद के ASI सर्वे की मांग उठ गई थी। कहा गया था कि श्रीकृष्ण मंदिर तोड़ने के बाद विग्रह आगरा मस्जिद में दफनाया गया। मामले में शाही ईदगाह मस्जिद की प्रबंध समिति को पक्षकार बनाने की अर्जी पर वादी अधिवक्ता आरएस यादव व महेंद्र प्रताप सिंह ने आपत्ति दाखिल करने का समय मांगा। साथ ही एएसआई के अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह ने भी जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा था। आगरा की जामा मस्जिद से जुड़ गया विवाद मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने सात दिन का समय देते हुए अगली सुनवाई कि तिथि 12 अगस्त नीयत की है। इस मामले में आगरा की जामा मस्जिद की सीढ़ियों की एएसआई सर्वे की मांग की गई है। वादी का कहना है कि मथुरा में श्रीकृष्ण भगवान का मंदिर तोड़ने के बाद विग्रह आगरा मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दफनाया गया है। जिसकी सांटिफिक जांच से पता चल सकेगा। वादी अधिवक्ताओं का कहना था कि शाही ईदगाह मस्जिद समिति का इस मामले से कोई सरोकार नहीं है। उसे पक्षकार बनाने की जरूरत नहीं है। केवल केस लटकाये रखने के लिए वह पक्षकार बनना चाहती है।

सामान बाहर फेंक मकान गिराया, खुले आसमान के नीचे परिवार

मऊआइमा। प्रयागराज में दबंगई कर जेसीबी से कच्चा मकान ढहाने का मामला सामने आया है। दो पक्षों में जमीन का विवाद था। ऐसे में दूसरे पक्ष ने 35 सालों से रह रहे परिवार को उजाड़ दिया। अब वह परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मामला मऊआइमा थाना क्षेत्र के नई बस्ती हरखपुर गांव का है। यहां के रहने वाले राधेश्याम के पिता स्व. राम हरख के नाम से पट्टा मिला था। जिस पर राधे श्याम व उनके दोनों बेटे जयप्रकाश व कृष्ण कुमार अपनी बीबी व बच्चों के साथ लगभग 35 वर्ष से रहकर जीवन यापन कर रहे हैं । दूसरे पक्ष के लोग इस जमीन पर अपना दावा करते हैं। विवाद चला आ रहा है। इसी बीच दूसरे पक्ष के लोगों ने दबंगई दिखाते हुए परिवार को बाहर निकाल जबरन मकान ढहा दिया। अब यह परिवार बगल की जमीन पर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गया है। बुधवार को कुछ लोगों ने खुले में रह रहे इस परिवार का वीडियो बना लिया। मामले में उच्च अधिकारियों से शिकायत की गई है। आरोप है कि मकान गिराने वालों ने उर्मिला देवी के साथ धक्का मुक्की की।

शासनादेश में उलझा रहा पत्राचार संस्थान, ठग ने सोसाइटी पंजीकरण कर बांटे अंकपत्र

प्रयागराज। प्रयागराज राज्य मुक्त विद्यालय परिषद के संचालन के लिए 16 वर्ष पहले शासनादेश जारी हुआ कि सोसाइटी पंजीकरण करवाकर काम शुरू करें। पत्राचार शिक्षा संस्थान उसका विरोध करते हुए रद करवाने के लिए प्रयासरत रहा। वहीं ठग ने सोसाइटी पंजीकरण करवाकर अंकपत्र बांटने का धंधा शुरू कर दिया। अब मामला खुला तो ठग को पुलिस ढूंढ रही है। पत्राचार शिक्षा संस्थान का गठन 1980 में हुआ था। यह संस्था यूपी बोर्ड के अधीन चल रही है। इसमें बच्चों का पंजीकरण 11वीं और 12वीं में होता है। यूपी बोर्ड के नियमों के अनुसार इसमें पंजीकरण और परीक्षाएं होती हैं। अंक पत्र भी यूपी बोर्ड ही देता है। दो दशक से पहले इसे मुक्त विद्यालय परिषद बनाने की योजना बनी। 29 अगस्त 2008 को इसका अधिनियम पारित हो गया। अधिनियम पारित होने के बाद इसके संचालन के लिए जो आदेश आया, वही अड़ंगा बन गया। उसमें लिखा था परिषद संचालन के लिए सोसाइटी पंजीकरण कराएं। संस्थान के अफसरों ने उसका विरोध किया और कहा कि अधिनियम पारित होने के बाद सोसाइटी पंजीकरण की जरूरत नहीं है, यह आदेश गलत है। यूपी बोर्ड की तरह इसे भी सरकारी संस्था बननी चाहिए। इसलिए सोसाइटी पंजीकरण का आदेश रद किया जाय। शासन से वह आदेश रद नहीं किया तो परिषद का गठन ठप रहा। किसी अफसर की तैनाती भी नहीं हुई। उसकी वेबसाइट नहीं बन पाई। इसके प्रति उच्च अफसर उदासीन रहे। इसी बीच ठग राजमन गौड़ को इसकी जानकारी हुई। उसने राज्य मुक्त विद्यालय परिषद का सोसाइटी पंजीकरण करवाया। उसको पंजीकरण नंबर 12‹2017–18 मिल गया। फिर उसने प्रयागराज और लखनऊ में इसका कार्यालय खोला। इसकी चार वेबसाइट बनवाई। कई जिलों में इसकी शाखाएं खोलकर अंक पत्र बांटने का धंधा शुरू कर दिया। कई लोगों से उसने ठगी की। छह वर्ष पहले एक बार पकड़ा गया तो कुछ दिन ठगी बंद रही। जेल से छूटा तो फिर से धंधा शुरू कर दिया। पत्राचार शिक्षा संस्थान के सहायक निदेशक रवींद्र नाथ ने बताया कि परिषद के गठन के संबंध में प्रयागराज के अधिवक्ता नितिन कुमार ने दो बार आरटीआई की थी। उनको जवाब भेजा गया कि गठन नहीं हुआ है। सत्यापन के लिए अंक पत्र कम ही आते थे। अब फिर से साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। फिलहाल उसकी फर्जी वेबसाइट चल रही है। परिषद के गठन के क्रम में एक वर्ष पहले संस्थान के कर्मचारी राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) गए थे। वहां से भी मान्यता लेनी पड़ती है। जब कर्मचारी वहां गए तो उनसे कहा गया कि आप लोग पहले भी आ चुके हैं, क्या आपका काम नहीं हुआ। तब उनकी समझ में नहीं आया और अपनी फाइल देकर चले आए। अब समझ आया कि ठग वहां तक पहुंच गया था।

आईआरटी के 83 छात्रों का तीन लाख पैकेज पर चयन

प्रयागराज। आईईआरटी के डिप्लोमा इंजीनियरिंग के 83 छात्रों का कैंपस चयन लार्सन एंड टूब्रो कंस्ट्रक्शन डिविजन नई दिल्ली में तीन लाख सालाना पैकेज पर हुआ है। इस कैंपस ड्राइव में डिप्लोमा मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों का चयन हुआ। संस्थान के प्रशिक्षण एवं सेवायोजन अधिकारी एसपी सिंह ने चयनित छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। चयनित छात्रों में दिशांक प्रजापति, राधा गोंड, हिमांशु मिश्रा, सूरज चौहान, शिवम मौर्य, आशुतोष शुक्ला, रंजीत कुमार यादव,भावना शर्मा,शुभम भारद्वाज,प्रांशु दुबे,राजेश कुमार, साहिल शर्मा, अभिषेक कुमार शर्मा, आर्यन कुशवाह, हेतश्री यादव, संदीप वर्मा, अभिषेक मिश्रा, हर्ष कुमार सोनी, शुभम विश्वकर्मा, अजय कुमार, तृप्ति सिंह, नितिन सिंह, शिवेश राव, अमित सिंह, रवि मौर्य, ऋचा भारतीय, अभय विश्वकर्मा, अंकित मौर्य, अमित यादव, संदीप कुमार, सौरव दुबे, सुधा कुमारी, गरिमा सिंह, अमन मिश्रा, राहुल वर्मा, अनुराग पांडे, सैय्यम मौर्य, हमजा, अच्छे लाल, काजल गुप्ता, रोहित कुमार, सुनील कुमार, अमित कुमार प्रजापति, रिया श्रीवास्तव, मोनी मौर्य, दीपक कुमार, नीन्शे सरोज, सच्चितानंद पांडे, कोमल गुप्ता, मोहम्मद आसिफ, रजनीश यादव, आकांक्षा केशरवानी, आदर्श पांडेय, राम नारायण साहनी, जय कुमार, शनि कुमार, अंकुर मिश्रा, श्रेया यादव, सुरेंद्र कुमार गौतम, मनोज कुमार यादव, केएम परिधिराज, सूरज प्रजापति, मोहित जयसवाल, कुन्दन कुमार भारतीय, अनिकेत द्विवेदी, कृष मिश्रा, अभिषेक कुमार, प्रदीप पाल, प्रतिमा सोनकर, सूरज मौर्य, विधि यादव, विकास कुमार, कौशल सेठ, विकाश कुमार, यशवीर प्रताप, अमन चौबे, विनय कुमार, प्रियांशु यादव, रंती यादव, अखिलेश कुमार, सत्यम मिश्रा, अनुप कुमार रिजवान अहमद शामिल हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत ..भिटारी.. विकासखंड ....मऊ....चित्रकूट

पत्रांक/ मेमो /15वाँ वित्त/ राज्यवित्त/टेंडर नोटिस /2024-2025 दिनांक- 13-08-2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

15वाँ वित्त / राज्यवित्त/ योजना के अंतर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा व्यापार कर/आयकर में पंजीकृत फर्मो/सप्लायरो से दिनांक. 21-08-2024 को अपरान्ह..01..बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदायें आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह..03..बजे तक ग्राम पंचायत में तैनात निर्माण समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओ के साथ खोली जाएगी |निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 14-08-2024 से 21-08-2024 को अपरान्ह 01बजे तक ग्राम पंचायत में विविध प्रपत्र मूल की अदायगी कर क्रय किये जा सकते है।

क्र० सं०	कार्य का नाम	सामग्री का बिवरण	मात्रा	प्राकलन की धनराशि लाख रु० में	प्रतिशत धरोहर धनराशि रु० में	निविदा मूल्य रु० में
01.	ग्राम पंचायत भिटारी के पंचायत भवन में शौचालय निर्माण कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	2.35 लाख	2%	500

निविदा शर्ते-

नोट- निविदा से समबन्धित शर्त ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

समस्त सामग्री का नाम और उसकी मात्रा ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

ग्राम विकास अधिकारी
सचिव भिटारी

ग्राम पंचायत
प्रधान भिटारी

यागराज के कोरांव CHC पर गर्भवती महिलाओं से वसूली

अधीक्षक डॉ. शमीम और सर्जन डॉ. दीप्ति सोनकर के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग वायरल

प्रयागराज। प्रयागराज के कोरांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाली गर्भवती महिलाओं से वसूली हो रही है। यहां प्रसव के नाम पर महिलाओं से रुपए मांगे जा रहे हैं। इसका खुलासा खुद सीएचसी अधीक्षक डॉ. शमीम अख्तर व महिला सर्जन डॉ. दीप्ति सोनकर के बीच मोबाइल पर हुई बातचीत में हुध्ई। इसकी रिकार्डिंग भी वायरल हो गई है। रिकार्डिंग में डॉ. शमीम गर्भवती से एक हजार रुपए और गाड़ी का किराया मांगने के लिए कह रहे हैं जबकि डॉ. दीप्ति कहती हैं कि वह एनेस्थेस्टिक के नाम पर, जांच के नाम पर रुपए मांग लिए हैं और हम नहीं मांग सकते हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारी से जमीन के नाम पर 40 लाख की ठगी

प्रयागराज । प्रयागराज। सेवानिवृत्त कर्मचारी से जमीन के नाम पर 40 लाख रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। काफी समय बीतने के बाद भी जब जमीन रजिस्ट्री नहीं की गई तो रकम वापस मांगी। इस पर आरोपियों ने 33.70 लाख रुपये वास किए। 6.30 लाख रुपये वापस मांगने पर धमकी दे रहे हैं। जार्जटाउन पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। लखनऊ में इंदिरानगर निवासी काशीनाथ सिंह रिटायर सरकारी कर्मचारी हैं। तहरीर दी है कि अमरेंद्र कुमार सिंह व उनकी पत्नी रागिनी निवासी किदवई नगर अल्लापुर वैदिक काटेज एवं रिसार्ट प्राइवेट लिमिटेड नामक रियल स्टेट कंपनी के निदेशक हैं। दोनों जमीन में पैसा लगाने के नाम पर 40 लाख रुपये ले लिए।

एक फॉल्ट मेले की रौनक में लगा देगा धब्बा

प्रयागराज। सलोरी में सात सितंबर को होने वाले दधिकांदो मेला के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण और नगर निगम ने युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू कर दी। सड़कों की मरम्मत हो रही है। स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त की जा रही हैं। मेले की सारी खूबसूरती लाइटिंग से होती है। खास दिन के लिए बिजली विभाग ने तैयारी शुरू नहीं की। मेला क्षेत्र के तार जर्जर हैं। ट्रांसफॉर्मरों की मरम्मत नहीं हो रही है। मरम्मत के दौरान उपयोग होने वाले कई उपकरण बिजली विभाग के स्टोर में नहीं हैं। दधिकांदो के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए मेला आयोजन समिति बिजली विभाग से लगातार गुहार लगा रही है, लेकिन विगत वर्षों की तरह इस साल बिजली विभाग की तैयारी नहीं हो पा रही है। सलोरी के पार्षद राजू शुक्ला ने बताया कि दधिकांदो की रौनक बिजली है। सड़कों पर लाइटिंग और चौकियों के साथ चलने वाली रोशनी ही लोगों को आकर्षित करती है।

नव प्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज ससी .एम .पी .महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा परास्नातक प्रथम सत्र के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन

कार्यक्रम का आयोजन किया गया।उक्त ओरिएंटेशन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर रोहित कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर भौतिक विज्ञान उपस्थित रहे । जिन्होंने एनपीटीईएल कोर्स के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी ।तत्पश्चात हिंदी विभाग के संयोजक प्रोफेसर दीनानाथ ने विद्यार्थियों को अनुशासन, पाठ्यक्रम, परीक्षा संबंधी एवं 75:उपस्थिति संबंधी बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए स्वागत वक्तव्य दिया ।हिंदी विभाग की वरिष्ठतम प्रोफेसर सरोज सिंह द्वारा ग्रीवेंस सेल ,एंटी रैगिंग सेल ,महिला सुरक्षा संबंधी सेल, अनुशास्ता मंडल संबंधी छात्रों के अधिकारों पर अपनी बात रखी । प्रोफेसर आभा त्रिपाठी ने जो नवप्रवेशी छात्रों को पुस्तकों के मूल टेक्स्ट से जुड़ने व क्लास रूम के अध्यापकीय लाभ पर प्रकाश डाला । डॉक्टर रामानुज यादव ने पीपीटी के माध्यम से महाविद्यालय हिंदी विभाग पाठ्यक्रम पर बिंदुवार चर्चा की ।डॉ प्रेम शंकर सिंह ने कहानी के माध्यम से आज के दौर में शिक्षक छात्र संबंधों पर विमर्शीय बिंदु रखा । नव प्रवेशी छात्रों ने भी अपना परिचय देते हुए अपने उत्साह और अनुभव को साझा किया । उक्त ओरिएंटेशन कार्यक्रम में डॉ जी गणेशन मिश्रा ,डॉक्टर रमा शंकर सिंह ,डॉ भारती कोरी,डॉ पूजा गौड़, डॉक्टर राजेंद्र यादव ,डॉ प्रियंका, डॉ रंजीत सिंह उपस्थित रहे ।

भयहरणनाथ धाम में परम्परागत भण्डारा 5 सितम्बर को

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में परम्परागत भन्डारे का आयोजन गत वर्षों की भांति जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से होगा। मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी के संयोजन

में उक्त भन्डारे में क्षेत्र व समाज के सभी प्रमुख कार्यकर्ता गण आज बुधवार की दोपहर से सभी व्यवस्था में लग गए है। प्रबन्धा समिति के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह व कांवरिया संघ के अध्यक्ष रामू तिवारी, शैलू जायसवाल, विवेक सिंह व राजू अग्रहरि सहित समस्त पदाधिकारियों व उपसमितियों को व्यवस्था में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की जिम्मेदारी ली है। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र के संयोजन में भन्डारे के प्रसाद की व्यवस्था दोपहर 12 बजे से प्रारम्भ होगी जो देर रात्रि तक जारी रहेगी। महासचिव समाज शेखर ने आवश्यक सुरक्षा व स्वच्छता हेतु उच्चाधिकारियों को पूर्व में पत्र भेजकर सहयोग मांगा है। महासचिव समाज शेखर ने बताया कि 6 सितम्बर को तीज उत्सव का भव्य आयोजन होगा। जिसमें हजारों महिलाएं धाम में पधार कर निर्जला व्रत रखकर देवाधिदेव भयहरणनाथ महादेव की पूजा अर्चना करेगें।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 8120242025 **दिनांक:** 29.08.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 25.09.2024 को 13.30 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र. सं.	निविदा सं.	कार्यों का विवरण
1.	186	वरिष्ठ मंडल अभियंता/ द्वितीय के अधीन प्रयागराज कानपुर सेक्शन में थ्रू रेल नवीनीकरण - प्राथमिक (टी,आर,आर,-पी) का कार्य।
अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 2,70,25,927.88		**बयाने की रकम (रू.):** ₹ 2,85,100.00
कार्य समापन की अवधि: 10 (दस) माह		**निविदा खुलने की तिथि: 25.09.2024**
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: कोई भी पी-वे का कार्य ।		
2.	187	वरिष्ठ मंडल अभियंता/ द्वितीय के अधीन प्रयागराज कानपुर सेक्शन में पी-वे मटेरियल की आपूर्ति सहित ठेकेदार के स्वयं के पी.क्यू.आर. एस. पोर्टल द्वारा थ्रू स्लीपर नवीनीकरण - प्राथमिक (टी.एस.आर.-पी) का कार्य।
अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 43,14,68,353.69		**बयाने की रकम (रू.):** ₹ 23,07,400.00
कार्य समापन की अवधि: 10 (दस) माह		**निविदा खुलने की तिथि: 25.09.2024**
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: पी-वे मटेरियल की आपूर्ति सहित या रहित कोई भी पी-वे का कार्य *		

*नोट-1:- क्रमॉक संख्या-2 के लियेः (केवल पी0क्यू0आर0एस0 की निविदा सं0 187 के लिये) : सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : पी- वे मटेरियल की आपूर्ति सहित या रहित कोई भी पी- वे का कार्य। निविदा में विशेष शर्त के साथ :- (1) निविदाकार/बोलीदाता ट्रैफिक ब्लाक के दौरान रनिंग ट्रैक में काम करने के लिये न्यूनतम 02 पी0क्यू0आर0एस0/एस0क्यू0आर0एस0/टी0एल0ई0 मशीनों और पी0क्यू0आर0एस0 डिपो में काम करने के लिये 02 गैन्ट्री के स्वामित्व का शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। (2) निविदाकार/बोलीदाता को पी0एस0 सी0 स्लीपर निर्माता के साथ समस्त प्रकार के पी0एस0 सी0 स्लीपरों की आपूर्ति हेतु एम0 ओ0 यू0 प्रस्तुत करना होगा।

नोट-2:- (1) ई - निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर **समय 13:30 बजे** तक निविदा खुलने की निर्धारित **तिथि 25.09.2024** तक उपलब्ध है। (3) उपर्युक्त निविदा मे ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी । इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (4) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (5) निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (6) माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगें। (7) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (8) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट **www.ncr.indianrailways.gov.in.** पर भी अपलोड कर दिया गया है। (9) बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। (10) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (11) आनलाइन निविदा निविदा खुलने की **तिथि 25.09.2024** को **समय 13:30** बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (12) निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग । के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। **1546/24(A)**

f North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ डा. अनिल कुमार का अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ कड़ा एक्शन

'प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही जारी'

'थाना लालगंज पुलिस टीम द्वारा अगई मोड़ से अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया'

आरोपी द्वारा वादी की नाबालिग पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर ले जाकर दुष्कर्म करने से संबंधित 01 वांछित अभियुक्तगिरफ्तार

'घटना का संक्षिप्त का विवरण—'

दिनांक 14.07.2024 को वादी की प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना लालगंज में मु0अ0सं0 273/2024 धारा 363, 366, 323, 504, 506, 376, 344 भादवि व धारा 3/4 पाक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया था । 'पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार' द्वारा अभियुक्त वांछित अपराधी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत व 'अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी श्री संजय राय एवं क्षेत्राधिकारी लालगंज श्री रामसूरत सोनकर' के कुशल पर्यवेक्षण में 'थाना प्रभारी लालगंज श्री नीरज यादव के नेतृत्व में उ0नि0 सुमित कुमार वर्मा मय हमराह, कां0 नीतीश कुमार' द्वारा अभियुक्त लालबहादुर पटेल पुत्र बुधई उर्फ हरिकेश पटेल निवासी ग्राम गोसाईंराम का पुरवा मौजा लहुरेपुर थाना सलोन जनपद रायबरेली को दिनांक 04.09.2024 को थानाक्षेत्र लालगंज के अगई मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। 'अभियुक्त लालबहादुर पटेल को मु0अ0सं0 273/2024 धारा 363, 366, 323, 504, 506, 376, 344 भादवि व धारा 3ध्4 पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष अग्रिम कार्यवाही हेतु पेश किया जा रहा है।'

'गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण—'

लालबहादुर पटेल पुत्र बुधई उर्फ हरिकेश पटेल निवासी ग्राम गोसाईंराम का पुरवा मौजा लहुरेपुर थाना सलोन जनपद रायबरेली।

'गिरफ्तार करने वाली टीमः—'

उ0नि0 सुमित कुमार वर्मा मय हमराह, कां0 नीतीश कुमार थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़।

'आर्य कन्या डिग्री कालेज में स्नेह के निबंध प्रतियोगिता में आए सार्थक विचार..'

प्रयागराज।सामाजिक सरोकारों को समर्पित संस्था 'स्नेह के तत्वावधान में बेटी बैंक एवं प्रयास संस्था' द्वारा आयोजित प्रयागराज के सन्दर्भ में कुम्भ मेले की उपयोगिता विषयक निबंध प्रतियोगिता में निरंतर सार्थक विचारों का प्राप्त होना जारी है। इस क्रम में आज 'आर्य कन्या डिग्री कालेज प्रयागराज' में छात्राओं के द्वारा कुम्भ के मद्देनजर 'क्लीन प्रयागराज ग्रीन प्रयागराज का नारा बुलंद कर अपना निबंध पूरा किया।' कुल 32 छात्राओं के द्वारा अपने लिखित निबंध में अधिकांश छात्राओं के द्वारा कुम्भ मेला प्रशासन से अपील की कि वह प्रयागराज का ढांचागत विकास करते हुए इसे कंक्रीट के जंगल में तब्दील होने से बचाएं तथा इसे हरा—भरा

एवं साफ सुथरा बनाने हेतु कार्य योजना को मूर्त रूप दिया जाये। निबंध प्रतियोगिता के शुभारंभ से पूर्व 'आर्य कन्या डिग्री कालेज के चेयरमैन श्री पंकज जयसवाल ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए उन्हें अपने मौलिक विचारों में निबंध पूरा करते हुए प्रशासन को प्राप्त बजट के सापेक्ष प्रयागराज के व्यवस्थित विकास कैसे किया जाए पर सुझाव पेश किए जाने को कहा, जबकि प्राचार्या प्रो. अर्चना पाठक ने कहा कि प्रशासन को चाहिए कि वह कुम्भ में भीड़ का प्रबंधन इस प्रकार करे कि प्रयागराज के अधिवासीयों को कम से कम प्रदूषण का सामना करना पड़े।' अन्य वक्ताओं ने उप—प्रधानाचार्या डॉ ममता गुप्ता, तथा स्नेह संस्था की सचिव श्रीमती अपर्णा श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन श्री दीपक श्रीवास्तव ने किया जबकि आभार ज्ञापन प्रयास संस्था की अल्का सक्सेना ने किया। इस निबंध प्रतियोगिता में शामिल होने वाली छात्राएं थी रूपाली सिंह, पूजा पाल, ज्योति, घ्तम्भरा, रश्मि किरण, न्यासा श्रीवास्तव, जान्हवी, भावना एवं अन्य 32 छात्राएं जबकि निबंध प्रतियोगिता संबंधी परीक्षा को पूर्ण करवाने में अपना योगदान दिया प्राचार्या डॉ अर्चना पाठक, उप प्राचार्या ममता गुप्ता, प्रो इभा सिरोही, डॉ निशा खन्ना, डॉ शशि कुमारी, डॉ हेमलता श्रीवास्तव, जूही श्रीवास्तव, मुदिता तिवारी, पूजा, स्मिता, अर्चना सिंह, सुधा कुमारी एवं प्रयास संस्था की अल्का सक्सेना तथा स्नेह की अपर्णा श्रीवास्तव ।

रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में दो विद्यालयों में केक काटकर शिक्षकों को किया सम्मानित

प्रयागराज। शिक्षक दिवस के अवसर पर रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम द्वारा प्रयाग महिला विद्यापीठ, सिविल लाइन्स और महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर, तेलियरगंज, प्रयागराज में शिक्षकों के साथ केक काटकर इस विशेष दिन को मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करना और उनके अमूल्य योगदान को सराहना था।

रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के अध्यक्ष शशांक जैन ने जानकारी दी कि संस्था द्वारा शहर के विभिन्न

विद्यालयों में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज के कार्यक्रम में, दोनों विद्यालयों में प्रधानाचार्या और शिक्षकों के साथ केक काटा गया। लिटरेसी प्रोग्राम के अध्यक्ष रोटेरियन गौरव अग्रवाल ने शिक्षकों का सम्मान किया और उन्हें मिठाई खिलाई। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में अन्य विद्यालयों में भी इसी प्रकार शिक्षक दिवस के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

धन्यवाद ज्ञापन ज्वाईंट सेक्रेटरी रोटेरियन प्रमय मित्तल द्वारा दिया गया।

इस अवसर पर रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम की प्रथम महिला प्रीति जैन,रोटेरियन जया मित्तल और अनेकों मेम्बर्स भी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जनपद के चयनित 05 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र का किया वितरण

मुख्यमंत्री जी के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का एनआईसी सभागार में देखा गया सजीव प्रसारण

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन आयोग के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत 1134 अवर अभियन्ता, संगणक एवं फोरमैन के चयनित अभ्यर्थियों को मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा लखनऊ के लोकभवन में नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया जिसका सजीव प्रसारण एन0आई0सी0 सभागार आयोजित किया गया जिसका अवलोकन जिलाधिकारी संजीव रंजन, मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश कुमार गुप्ता, उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव, जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार व अभ्यर्थियों द्वारा किया गया।

इसी क्रम में जनपद के चयनित 05 अभ्यर्थियों को जिलाधिकारी संजीव रंजन ने एनआईसी सभागार में नियुक्ति पत्र का वितरण किया। जिलाधिकारी ने जिन 05 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया उनमें सुरेन्द्र कुमार पटेल अवर अभियन्ता (सिविल), शोभित कुमार श्रीवास्तव अवर अभियन्ता (जल), सौरभ प्रताप सिंह अवर अभियन्ता (कृषि अभियन्त्रण), सूरज सिंह अवर अभियन्ता (कृषि अभियन्त्रण) व सन्दीप कुमार अवर अभियन्ता सम्मिलित है। इस दौरान जिलाधिकारी ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी और कहा कि आप सभी पूरी लगन, ईमानदारी, पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ अपने अपने विभागों में अपना योगदान प्रदान करें तथा आपके विभागीय अधिकारी आपके कार्य सम्पादन में पूर्ण सहयोग करेगें। उन्होने कहा कि सरकारी कार्यो में आम जनमानस से मुलाकात, विभागीय पत्रावली, योजनाओं का सकुशल संचालन आदि महत्वपूर्ण कार्य होते है। सभी चयनित अभ्यर्थी अपने कार्यो एवं दायित्वों का भलि—भांति निर्वहन करें और योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायें, लोगों की समस्याओं का निदान भी करें।

बिन गुरू ज्ञान की कल्पना भी बेमानी

लखनऊ, एजेंसी। सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन का जन्म दिन पांच सितंबर शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। वे शिक्षक होने के साथ महानदार्शनिक, उत्कृष्ट वक्ता और विचारक थे। वे विश्व को शिक्षा का घर मानते थे। गुरु बिन ज्ञान की कल्पना भी बेमानी है।जीवन में आगे बढ़ने की सही राह अगर कोई दिखा सकता है तो वो सिर्फ गुरु यानि शिक्षक ही है। उन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन के पेशे को दिया।हम उनकी स्मृति में हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाते हैं। कुछ शिक्षकों के मन के तार छेड़े तो बहुत गम्भीर उर ग्राह्य बातें निकली।कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के प्रवक्ता विनोद कुमार मिश्रा का कहना है कि हमारे समाज में गुरु शिष्य परंपरा सनातन से चली आ रही है।इसको शिक्षक दिवस के रूप में प्रतिवर्ष 5 सितंबर को मनाया जाता है। यही वह दिवस होता है जब हम न केवल अपने गुरुओं को आदर और धन्यवाद देते हैं बल्कि उनके द्वारा दिए गए ज्ञान अनुशासन और मार्गदर्शन का महत्व समझते हैं।शिक्षक ऐसा दीपक, जो स्वयं जलकर शिष्यों को प्रकाशित करता है। माता—पिता प्रथम शिक्षक होते हैं परंतु जीवन जीने का असली ज्ञान हमें अपने गुरुओं से ही मिलता है।भारत का पूरे विश्व में किसी भी व्यक्ति को ऊंचाइयों तक ले जाने का श्रेय शिक्षक का ही होता है। शिक्षक ऐसा माली है जो शिष्य रूपी फूलों को महकाने का काम करता है। समाज में गुरुओं का अपने शिष्यों में अच्छे चरित्र निर्माण का योगदान होता है।

'सी. एम. पी. कॉलेज द्वारा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन'

प्रयागराजसवाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन सी एम पी डिग्री कॉलेज के हिंदी विभाग के द्वारा हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत आज वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था ष्हिंदी को राजभाषा बनाने में संकोच क्योंष् के पक्ष और विपक्ष में लगभग तीस विद्यार्थियों ने

प्रतिभाग किया। सभी निर्णायको एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डा. रमाशंकर सिंह ने शुभारंभ एवं संचालन किया । निर्णायक मंडल में डा. दीप्ति विष्णु एवं डा. रेनू चौधरी रहीं। इस प्रतियोगिता में शिवम शुक्ला को प्रथम , अंकित सिंह को द्वितीय , गौरव गिरी को तृतीय , प्रीतम सिंह एवं अभिषेक सिंह को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दीनानाथ ने किया। उक्त कार्यक्रम में प्रो. सरोज सिंह, प्रो. आभा त्रिपाठी, डा. प्रेम शंकर सिंह, डा. प्रियंका गोंड, डा. पूजा गौड़, डा. रमाशंकर सिंह, डा. रंजीत सिंह, डा.भारती कोरी, डा. गणेशन मिश्रा, डा. रामानुज यादव, डा.राजेंद्र यादव आदि शिक्षक और शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम में मनाया जन्मदिवस

कपड़े व फल पाकर वृद्धों के चेहरों पर दिखी मुस्कान प्रतापगढ़। लच्छीपुर रानीगंज के नर्वदेश्वर सेवा संस्थान के अध्यक्ष अंकित पांडे ने महुली स्थित वृद्धाश्रम पर आज अपना जन्मदिवस पर वहां के वृद्ध महिलाओं व पुरुषों के साथ मनाया

और वहां निवास कर रहे महिलाओं व पुरुषों को फल के साथ साड़ी और शर्ट पैंट के कपड़े वितरित किएस इस अवसर पर अंकित पाण्डेय के साथ उनका जन्मदिवस मनाने के लिए उनके पिताजी शिवशंकर पाण्डेय ,राजेश पाण्डेय,वशुराज शुक्ला,शिवपंकज मणि त्रिपाठी, सुनील पाण्डेय,दिलीप मिश्रा,कुंज बिहारी तिवारी,भानुप्रताप,अजीत यादव ,किशन ,शिवांशं,नवाब ओम पाण्डेय व रुद्र पाण्डेय आदि उपस्थित रहे ।कपड़े व फल पाकर वृद्धाश्रममें रहने वालों के चेहरों पर दिखी मुस्कानस अत्यन्त प्रसन्नता पूर्वक सभी महिला पुरुषों ने अंकित पाण्डेय को खूब आशीष व प्यार दुलार देते हुए उनके निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर होने की कामना की।

प्रशासनिक हस्तक्षेप पर लखनऊ व्यापार मंडल में आक्रोश, जीएसटी ऑफिस पर किया प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। व्यापार मंडल ने बुधवार को जीएसटी ऑफिस पर प्रदर्शन कर प्रशासनिक हस्तक्षेप का विरोध किया। धरने में प्रमुख व्यापारी नेता अमरनाथ मिश्रा, वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा और अन्य प्रमुख सदस्य शामिल हुए। धरना वाणिज्य कर भवन मीराबाई मार्ग पर आयोजित किया गया।

शिक्षक दिवस पर

गुरु-वन्दना

गुरु का वंदन करके इक दिन, हम सबको तर जाना है।
ऐसी सीख मिले हम सबको, नहीं कभी घबराना है।।

हर कोई तो सखा नहीं है, नहीं सभी को गुरु माने।
घर की सीख घरों में मिलती, घर जैसा किसको जाने?
अभिनन्दन अरु वंदन करता, जिनका हाथ साथ आया।
राह सुझाई गली दिखाई, जिनका पथ हमको भाया।।
अंतर्मन को जो भी खोले, संग उसी के जाना है।
ऐसी सीख मिले हम सबको, नहीं कभी घबराना है।।१।।

गुरु की महिमा जग क्या जाने? गुरु कबीर जग गाता है।
हृदय नाद अतिशय मन उठता, ज्योति प्रभा चमकाता है।।
ब्रह्मा गुरु हैं, विष्णु गुरू हैं, मंत्र सभी ये गाते हैं।
इस धरती पर आकर देखो, कैसे गुरु हम पाते हैं?
समझ—सीख वैसी ही मिलती, यह कैसा अफसाना है?
ऐसी सीख मिले हम सबको, नहीं कभी घबराना है।।२।।

कहीं लाड़ है, कहीं प्यार है, वैसा अपना चोला है।
सगुण यहाँ पर कोई भजता, कोई दिन भर भोला है।।
कहीं उमंगें, कहीं तरंगें, जीवन भर का नाता है।
जैसी सीख दिया गुरुवर ने, वैसा ही सुख भाता है।।
पूर्व जन्म को लेकर चलते, आगे बढ़ते जाना है।
ऐसी सीख मिले हम सबको, नहीं कभी घबराना है।।३।।

अच्छा और बुरा जो जग में, जैसी सीख सिखाई है।
जिस बालक का गुरु हो जैसा, वैसी शिक्षा पाई है।।
जो भी राह दिखाता जग को, कहते उसे विधाता हैं।
गुरु का रूप मिले जब हरि से, भवसागर तर जाता है।।
नमन करें उस महादेव को, जिनका काल दिवाना है।
ऐसी सीख मिले हम सबको, नहीं कभी घबराना है।।४।।

कालनेमि बहुतेरे जग में, सब नहि गुरू कहाते हैं।
कलजुग की पीड़ाएँ कितनी, नहीं समझ हम पाते हैं।।
अबलाओं की बढ़ी वेदना, अंतर्मन घबराता है।
सावधान! ऐसे गुरुओं से, बनता स्वयं विधाता है।।
श्रद्धा हो गुरुओं पर केवल, उनको शीश झुकाना है।
ऐसी सीख मिले हम सबको, नहीं कभी घबराना है।।५।।

पंडित राकेश मालवीय मुस्कान
प्रयागराज—१६

सम्पादकीय.....

न्याय जैसा हो न्याय

यह सुखद ही है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान–परेशान हैं। लेकिन यहां विचारणीय प्रश्न यह भी कि जिला स्तर पर न्यायालयों में लंबित मामलों का ग्राफ लगातार क्यों बढ़ता जा रहा है। जिला अदालतों में साढ़े चार करोड़ मामलों का लंबित होना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिसके लिये न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार–बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। दरअसल, कुछ समाजशास्त्री मानते रहे हैं कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की वजह वह जटिल व्यवस्था भी है, जिसके चलते अपराधी बच निकलने का रास्ता निकाल लेते हैं। किसी भी वारदात के बाद आम विमर्श का विषय होता है कि अपराधियों में पुलिस व कानून का भय नहीं रह गया है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निर्विवाद रूप से देश के सर्वोच्च न्यायालय ने समय–समय पर ऐसे युगांतरकारी फैसले दिये हैं, जिन्होंने न केवल संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की बल्कि महिलाओं–बच्चों व पीड़ित पक्षों को न्याय भी दिलाया है। साथ ही समय–समय पर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की है। यही वजह है कि व्यक्ति न्यायालय को अंतिम न्याय की किरण के रूप में देखता रहा है। शीर्ष न्यायालय ने जनाकांक्षाओं से जुड़े गंभीर मामलों में कई बार स्वतरू संज्ञान लेते हुए संकटमोचक की भूमिका भी निभायी है। हाल ही में कोलकाता की डॉक्टर के साथ हुए वीभत्स कांड के बाद डॉक्टरों की सुरक्षा के लिये राष्ट्रीय प्रोटोकॉल तैयार करने में भी शीर्ष अदालत ने बड़ी पहल की थी। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा।

बुलडोजर पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती वाजिब

एजेंसी

उत्तर प्रदेश में तो यह काम बेहद धड़ल्ले से होता आ रहा है जिसके अंतर्गत न सिर्फ किसी अपराध में अल्पसंख्यकों को शामिल बतलाते हुए घरों को जमींदोज किया जाता है, बल्कि राजनीतिक विरोधियों को भी नहीं बख्शा जाता।

पिछले कुछ समय से प्रशासकीय आतंक का प्रतीक बन चुकी बुलडोजर न्याय प्रणाली आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के निशाने पर आ ही गई। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिन राज्यों में शासन किया जा रहा है, वहां की सरकारें विरोधियों, खासकर अल्पसंख्यकों के घरों को केवल इस आधार पर बेरहमी से गिराती आ रही हैं जो किसी न किसी अपराध में आरोपी बनाए जाते हैं। दोष सिद्धि के पहले ही सरकारों द्वारा मकान–दूकान ध्वस्त करना भाजपा सरकारों की कार्यप्रणाली का हिस्सा बन गया है। उत्तर प्रदेश में तो यह काम बेहद धड़ल्ले से होता आ रहा है जिसके अंतर्गत न सिर्फ किसी अपराध में अल्पसंख्यकों को शामिल बतलाते हुए घरों को जमींदोज किया जाता है, बल्कि राजनीतिक विरोधियों को भी नहीं बख्शा जाता। किसी न किसी बहाने से अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों एवं विरोधी मत रखने वाले नेताओं–कार्यकर्ताओं के घरों को गिराया जाता रहा है। उप्र, गुजरात, असम, मध्यप्रदेश राजस्थान आदि राज्यों में बुलडोजर के प्रति वहां की सरकारों का विशेष अनुराग देखा गया है। बड़ी संख्या में लोगों ने अपने सरों पर से साया केवल इस कारण से खोया है कि उनके परिवार का कोई सदस्य किसी अपराध में शामिल पाया गया।जमीयत उलेमा ए हिंद ने पिछले दिनों एक याचिका दाखिल कर सरकारों द्वारा मनमाने ढंग से बुलडोजरों का इस्तेमाल कर घरों को तोड़ने पर रोक लगाने की मांग की थी। विशेषकर दिल्ली के जहांगीरपुरी मामले में वकील फरूख रशीद ने जो याचिका दाखिल की है, उसमें कहा गया है कि भाजपा सरकारें अल्पसंख्यकों एवं हाशिये पर खड़े लोगों के घरों को तोड़कर दमन कर रही है। इससे पीड़ितों को कानूनी उपचार का अवसर नहीं मिल पाता। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई करते हुए साफ किया कि अपराधी पाये जाने पर भी किसी के घर को इस प्रकार नहीं तोड़ा जा सकता। हालांकि महाधिवक्ता तुषार मेहता का कहना था कि निर्माणों को म्युनिसिपल कानूनों के अंतर्गत तोड़ा जा रहा है। यानी अवैध होने के कारण इन पर बुलडोजर चल रहे हैं। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। वैसे बेंच ने साफ किया कि वह अवैध और अवरोध बन चुके निर्माणों को संरक्षण नहीं देने जा रही है। उसने सरकारों से सुझाव भी मांगे हैं ताकि वह आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर सके। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश से इस बुलडोजर दमन की शुरुआत हुई थी जिसमें सरकार की ओर से अल्पसंख्यकों तथा भाजपाविरोधी लोगों के निर्माणों को किसी न किसी बहाने से ध्वस्त करने की परम्परा शुरू की गई। वहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को श्बुलडोजर बाबाश्य के नाम से भी सम्बोधित किया जाने लगा। यहां तक कि जिन अन्य राज्यों में आदित्यनाथ चुनावी सभाओं को सम्बोधित करने जाते हैं, वहां भी उनके स्वागत में बुलडोजर रखे जाने लगे। मुस्लिमों के प्रति नफरत करने वाले कट्टरपंथियों के बीच उनकी लोकप्रियता का यह बड़ा कारण बन गया। इसकी देखा–देखी राजस्थान, मध्यप्रदेश, असम, गुजरात आदि में भी कमजोर तबकों व अल्पसंख्यकों के घरों तथा बस्तियों पर अंधाधुंध बुलडोजर चलाकर न केवल घर बल्कि परिवार के उन सदस्यों को भी सजा दी गई जो कथित अपराध में शामिल नहीं थे। एमनेस्टी इंटरनेशनल तक यह मामला पहुंचा था जिसने इस वर्ष की फरवरी में यह तथ्य सामने लाया था कि अप्रैल 2022 से जून 2023 तक उपरोक्त राज्यों में 128 सम्पत्तियों को बुलडोजर चलाकर धराशायी किया गया। मध्यप्रदेश में एक आरोपी के पिता की सम्पत्ति पर बुलडोजर चलाया गया तो वहीं राजस्थान में एक अवयस्क छात्र के घर को नेस्तनाबूद कर दिया गया जिस पर अपने सहपाठी को चाकू से गोदने का आरोप था।भाजपा ने बुलडोजर न्याय को अपने कड़े प्रशासन का प्रतीक बनाकर प्रचारित किया लेकिन अनेक देशों में इसकी आलोचना भी हुई है जिसके कारण भारत सरकार की बदनामी हुई है। कुछ देशों में तो भाजपा समर्थकों ने राष्ट्रीय पर्वों पर बुलडोजर को भी जुलूस में शामिल किया था जिसके कारण उन्हें वहां की सरकारों की ओर से कार्रवाई की चेतावनी तक मिली थी। बुलडोजर जहां दमन का प्रतीक है वहीं वह सरकार के शक्ति के पृथक्करण के नियमों का उल्लंघन भी माना गया है। वैसे भी अपराध के लिये घर, दूकान या किसी भी सम्पत्ति को ढहाने का प्रावधान किसी भी कानून में नहीं है। ज्यादातर मामलों में यही पाया गया है कि बुलडोजर या तो अल्पसंख्यकों के घरों पर चले हैं अथवा भाजपा विरोधी विचार रखने वालों पर। किसी भी बस्ती में सरकारी मशीनरी की इस आतंकी मशीन ने उसे ही रौंदा है, जो इन्हीं दो श्रेणियों में आते हैं (अल्पसंख्यक–भाजपा विरोधी)। बुलडोजर न्याय नफरत और सनक से निकली प्रक्रिया है इसलिये उससे किसी भी प्रकार के विवेक और निष्पक्षता की उम्मीद नहीं की जा सकती, लेकिन यह साफ पाया गया है कि जिस अपराध में संलग्नता या संदेह मात्र होने पर भी लोगों के घर गिराये गये, उन्हीं अपराधों में भाजपा समर्थकों को बख्शा दिया जाता है। उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट जब इस मामले की अगली सुनवाई करेगा तो वह सरकारों को इस आशय के साफ निर्देश देगा कि सजाएं देने का काम न्यायपालिका का हैय और वह भी कानूनी प्रक्रिया के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप ही किया जायेगा। जिस प्रकार से बदले की भावना से भाजपा सरकारों ने काम किया है उस पर रोक लगेगी।

हमारी समस्या है नागरिक आज्ञाकारिता

सुभाष गाताडे

विख्यात अमेरिकी इतिहासकार, नाटककार, दार्शनिक और समाजवादी विचारक हॉवर्ड जिन जिनकी लिखी किताब श्ए पीपुल्स हिस्टरी आफ युनाईटेड स्टेटसश की लाखों प्रतियां बिक चुकी हैं, के यह लफ्ज आज भी दुनिया के तमाम मुल्कों में दोहराए जाते हैं जब–जब वहां की जनता हुक्मरानों के हर फरमान को सिर आंखों पर लेती है। वैसे बहुत कम लोग इस वक्तव्य के इतिहास से वाकिफ हैं, जिसे उन्होंने अमेरिका के युद्ध विरोधी आंदोलन के दौरान बाल्टिमोर विश्वविद्यालय के परिसर में रैडिकल छात्रों और परिवर्तनकामी अध्यापकों के विशाल जनसमूह के सामने दिया था। गौरतलब है कि यही वह दौर था जब अमेरिकी सरकार की विएतनाम युद्ध में संलिप्तता को लेकर – जिसमें तमाम अमेरिकी सैनिकों की महज लाशें ही अमेरिका लौट पायी थी। जनाक्रोश बढ़ता गया था और अमेरिकी सरकार पर इस बात का जोर बढ़ने लगा था कि उसे अपनी सेनाओं को वहां से वापस बुलाना चाहिए। याद किया जा सकता है कि इस ऐतिहासिक साबित हो चुके व्याख्यान के एक दिन पहले क्या हुआ था ! एक युद्ध विरोधी प्रदर्शन में शामिल होने के चलते उन्हें संघीय पुलिस ने गिरफ्तार किया था और हॉवर्ड जिन को कहा गया था कि वह अगले दिन अदालत में हाजिर हों। सवाल यह था कि क्या वह दूसरे ही दिन अदालत के सामने हाजिर हों, जहां उन्हें चेतावनी मिलेगी और फिर घर जाने के लिए कहा जाएगा या वह बाल्टिमोर जाने के अपने निर्णय पर कायम रहें, रैडिकल छात्रों ने उनके लिए जो निमंत्रण भेजा था उसका सम्मान करें और उसके अगले दिन अदालत के सामने हाजिर हों। यह जाहिर था कि इस हुक्मउदूली के लिए उन्हें कम से कम कुछ दिनध्महिने सलाखों के पीछे जाना होगा। जिन ने बाल्टिमोर जाना ही तय किया, जहां उन्होंने अपना भाषण दिया – जिसकी छात्रों एवं अध्यापकों में जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई और वह लौट आए और अगले ही दिन अदालत के सामने हाजिर हुए और जैसा कि स्पष्ट था कि उन्हें कुछ सप्ताह के लिए जेल भेजा गया। जब–जब हाल के समयों में दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र में श्बुलडोजर न्यायश की परिघटना सामने आयी है, तब–तब जिन के इस उदबोधन की प्रासंगिकता बढ़ती दिखती है। न्याय के वाहक के तौर पर बुलडोजर के इस रूपांतरण की परिघटना का अब सामान्यीकरण हो चला है। बुलडोजर के माध्यम से जारी इस ध्वस्तीकरण अभियान में फिलवक्त मध्यप्रदेश के छतरपुर में कांग्रेस नेता हाजी शहजाद अली के मकान का प्रसंग सूर्खियों में है। यह अभी भी अस्पष्ट है कि किस के आदेश पर यह विशाल मकान ध्वस्त किया गया? आखिर किस कानून के तहत पुलिस और प्रशासन को यह अधिकार मिल जाता है कि वह भारत के एक नागरिक के बुनियादी अधिकारों पर इस तरह हमला करे। आखिर कब से ऐसा कोई निर्माण – जिसका नक्शा संबंधित अधिकारियों ने पास नहीं किया हो – उसे इस तरह आनन फानन तबाह किया जाता है, जबकि इस मामले में लंबी प्रक्रिया चलती है, अदालत या संबंधित विभाग कुछ जुर्माना करते है या अधिक से अधिक विवादित मकान का एक हिस्सा गिरा देते हैं। इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि इन ध्वस्तीकरणों को श्भाजपा शासित राज्यों में होने वाली घटनाओं में अब अपवाद नहीं कहा जा सकता। लोकसभा चुनावों के नतीजों के ऐलान के महज एक सप्ताह के अंदर, आदिवासीबहुल मांडला जिले में सरकारी जमीन पर बने अल्पसंख्यक समुदाय के 11 मकानों को इन आरोपों के तहत ध्वस्त किया गया कि वहां से श्बीफ का अवैध व्यापारश्य चलता था। ऐसा दिख रहा था कि पुलिस,प्रशासन ने अब झुंड का काम अपने हाथ में लिया है. जहां अब राज्य द्वारा निशानदेही पर किए जाने वाले अत्याचार अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा को वैधता प्रदान कर रहे हैं। ध्यान रहे कि यह मसला मध्य प्रदेश या किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है, यह सिलसिला भाजपा शासित राज्यों में आम है। तयशुदा बात है कि किसी खास तबकेध्समुदाय के खिलाफ बदले की भावना से ऐसी कार्रवाई या हिंसा को महज कानूनी शब्दावली में या उसकी कथित कमियों की बात करके समझा नहीं जा सकता। इतिहास हमें हिटलर के जर्मनी में बने न्यूरेम्बर्ग कानूनों ध्1935ध के बारे में बताता है जिसने नात्सीहुकूमत के लिए यह बेहद आसान बनाया कि वह यहुदियों के साथ भेदभाव को नीतिगत तौर पर अंजाम दे और उसने जर्मनी में सामीविरोधी का भी संस्थाकरण किया जिसकी परिणति नस्लीय सफाये में हुई। ऐसी परिस्थिति, एक तरह से उनके अंदर के अल्पसंख्यक समुदाय को सभी अधिकारों से वंचित करती है और उन्हें बहुसंख्यक समुदाय की दया पर छोड़ देती है। हम ऐसी स्थिति से भी रूबरू हो सकते है जहां औपचारिक तौर पर ऐसे भेदभावजनक कानून अस्तित्व में नहीं है, मगर विभिन्न ऐतिहासिक और अन्य कारणों से ऐसे भेदभाव जनक या पूर्वाग्रह पूर्ण व्यवहार अधिकाधिक सामान्य होते जाते हैं। जब प्रशासन पूर्वागहपूर्ण व्यवहार को अंजाम देता है और नागरिक समाज भी श्कानून के राज के इस खुल्लमखुला उल्लंघन को लेकर समझौताजनक रूख अख्तियार करता है तब अमन एवं इन्साफ के प्रति सरोकार रखने वाले नागरिकों और आदर्शवादी युवकों के सामने क्या रास्ता बचता है ! शायद अब वक्तध की मांग है कि वह अधिक सर्जनात्मक और प्रेरणादायी समाधान की तरफ बढ़ने की कोशिश करें। आज की तारीख में जब गाजा में और अन्य फिलिस्तीनीबहुल इलाकों में इस्त्राएली सेना जिस श्नस्लीय सफायेश्य को अंजाम दे रही है, तब यह जानना काफी प्रेरणादायी हो सकता है कि इन्हीं कठिन परिस्थितियों में इस्त्राएली युवाओं का एक छोटा सा ही हिस्सा पश्चिमी तट में सामने आ रही नस्लीय सफाये की घटनाओं को रोकने के लिए अपने आप को झोंक रहा है। वैसे वे प्रख्यात युवा क्रांतिकारी रैशेल कोरी की शहादत से भी सीख सकते हैं, जिसने बमुश्किल 23 साल की उम्र में उस वक्तध अपनी शहादत दी जब इस्त्राएली टैंक दक्षिण गाजा में एक फिलिस्तीनी मकान को तबाह करने के लिए आगे बढ़ रहे थे। अमेरिका में पढ़ाई कर रही रैशेल– फिलिस्तीनी और अंतरराष्टीय शांति कार्यकर्ताओं के समूह की सदस्य थी, जिनकी कोशिश थी कि वह फिलिस्तीनी संपत्ति को तबाह करने के इस्त्राएली सरकार के अभियान को रोकें। उस दिन वह राफाह शरणार्थी शिविर में इस कोशिश में जमा थे कि खुद मानवीय ढाल बनेंगे और ध्वंसीकरण को रोकेंगे, जब इस्त्राएली दस्ते दो भाइयों – खालिद और समीर नसरल्लाह – के मकानों को ध्वस्त करने के लिए पहुंचने वाले थे।रैशेल के इस अनोखी शहादत के दुनिया भर में चर्चे चले। इस बात को भी रेखांकित किया जाना चाहिए कि रैशेल की शहादत के बाद दो अन्य शांति कार्यकर्ता इसी तरह फिलिस्तीनी मकानों को बचाने के प्रयास में आत्माहुति दिए। बीस साल से अधिक वक्तध गुजर चुका है जब रैशेल और अन्य शांति कार्यकर्ता शहीद हुए। आज जब हमारे मुल्क में बुलडोजर ध्अध्न्याय का सामान्यीकरण हो चला है और संवैधानिक संस्थाएं भी इस मामले में औपचारिक कार्रवाई के आगे कदम नहीं उठाती दिख रही हैं, ऐसे समय में जनमानस को जगाने के लिए, उन्हें प्रेरित करने के लिए वे सभी जो न्याय, अमन और प्रगति के हक में हैं, उन्हें नयी जमीन तोड़ने की जरूरत है। जनमानस को यह भी बताने की जरूरत है, जिसकी तरफ हावर्ड जिन्न ने अपनी तकरीर में आवाज बुलंद की थी ओर समझाया था कि श्हमारी समस्या नागरिक आज्ञाकारिता है।य हमारी समस्या यही है कि दुनिया भर के तमाम लोगों ने अपनी सरकारों के नेताओं के फरमानों को चुपचाप सुना है और वह युद्ध में जुट गए हैं, और लाखों लोग इसी आज्ञाकारिता के कारण मर भी गए हैं। हमारी समस्या है श्आल क्वाइट आन द वेस्टर्न फ्रेट का वह दृश्य, जब स्कूली छात्र युद्ध में शामिल होने के लिए कतारबंद हो रहे हैं। हमारी समस्या है कि भूखमरी और गरीबी तथा जाहिलपन के आलम में , युद्ध और क्रूरता के बीच दुनिया भर में लोग आज्ञाकारी हैं। हमारी समस्या है कि जबकि जेलें मामूली चोरों से भरी पड़ी हैं और बड़े बड़े चोर डकैत सरकारें चला रहे हैं। हमारी यही समस्या है। हम नात्सी जर्मनी की इस समस्या को समझते हैं। हम जानते हैं कि वहां भी समस्या आज्ञाकारिता की थी, वहां भी लोग हिटलर के प्रति आज्ञाकारी थे, वह सरासर गलत था। उन्हें चाहिए था कि वह चुनौती देते और प्रतिरोध करते और अगर हम उन दिनों वहां होते तो तय बात है कि हम अपने प्रतिरोध से उन्हें दिखा भी देते।

शीर्ष अदालत के हाल के फैसले देते हैं न्यायिक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म बदलाव का संकेत

के रवींद्रन

दिल्ली के मंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य लोगों को दिल्ली आबकारी नीति के संदर्भ में मनी लॉन्डरिंगऔर इसी तरह के अन्य मामलों में जमानत देने वाले सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले न्यायपालिका द्वारा मनीलॉन्ड्रिंग के आरोपों, खासकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा लगाये गये आरोपों के प्रति दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाते हैं। ये फैसले न केवल न्यायिक दृष्टिकोण को उजागर करते हैं बल्कि जमानत और हिरासत के सिद्धांतों के बारे में अदालत के व्यापक रुख पर भी प्रकाश डालते हैं। सिसोदिया के मामले ने उनके हाई–प्रोफाइल स्वभाव और उनके खिलाफ आरोपों की गंभीरता के कारण बहुत ध्यान आकर्षित किया है। जमानत देने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को अदालत के दृष्टिकोण में एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में वर्णित किया गया है, जो धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जमानत शर्तों की अधिक सूक्ष्म व्याख्या की ओर बदलाव को दर्शाता है। यह दृष्टिकोण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब इसे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी प्रेम प्रकाश जैसे प्रमुख राजनीतिक हस्तियों से जुड़े समान मामलों के साथ देखा जाता है। दोनों पर मनीलॉन्डरिंग के आरोप हैं और उनकी कानूनी लड़ाई अदालत के बदलते रुख को समझने के लिए एक तुलनात्मक दृष्टिकोण प्रदान करती है। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आपराधिक न्याय में एक महत्वपूर्ण सिद्धांत पर जोर देता हैरू जमानत नियम होनी चाहिए, अपवाद नहीं। यह सिद्धांत व्यापक न्यायिक दर्शन के साथ संरेखित होता है कि मुकदमे से पहले हिरासत का उपयोग संयम से और केवल असाधारण परिस्थितियों में किया जाना चाहिए। यह रेखांकित करता है कि निर्दोषता की धारणा का सम्मान किया जाना चाहिए और जमानत तब तक दी जानी चाहिए जब तक कि इसे अस्वीकार करने के लिए बाध्यकारी कारण न हों। सिसोदिया के मामले में, न्यायालय ने आरोपों की प्रकृति और ईडी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य की जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उनकी लंबी हिरासत उनके त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित करने के बराबर है क्योंकि न्यायालय ने कहा कि भविष्य में सुनवाई पूरी होने की दूर–दूर तक कोई संभावना नहीं है। इसने इस बात पर सावधानीपूर्वक विचार किया कि प्रस्तुत साक्ष्य निरंतर हिरासत को उचित ठहराते हैं या नहीं। यह पीएमएलए के तहत मामलों में पहले अपनाये गये अधिक सख्त दृष्टिकोण से अलग है, जहां ईडी द्वारा आरोपों की गंभीरता के दावे के आधार पर अक्सर हिरासत को लंबा किया जाता था। पीएमएलए मामलों में सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियां इस फैसले के लिए और भी संदर्भ प्रदान करती हैं। उल्लेखनीय रूप से, न्यायालय ने पुलिस हिरासत के दौरान प्राप्त किये गये इकबालिया बयानों की स्वीकार्यता की जांच की है। हाल के एक मामले में, न्यायालय ने फैसला सुनाया कि एक विशेष मामले में इस तरह के इकबालिया बयानों का इस्तेमाल दूसरे मामले में सुबूत के तौर पर उपयोग नहीं किया जा सकता है, जिससे अभियुक्तों के अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व पर बल मिलता है कि सुबूत वैध तरीकों से प्राप्त किये जायें। हाल के फैसले एक व्यापक न्यायिक प्रवृत्ति के अनुरूप हैं, जो यह सुनिश्चित करने की दिशा में हैं कि कानूनी प्रक्रिया निष्पक्षता और उचित प्रक्रिया के सिद्धांतों का पालन करती है। स्वीकारोक्ति की स्वीकार्यता और जमानत की शर्तों पर न्यायालय का ध्यान इन सिद्धांतों को बनाये रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, यहां तक कि महत्वपूर्ण वित्तीय अपराधों से जुड़े जटिल और हाई–प्रोफाइल मामलों में भी। यह विशेष रूप से उस संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जब एजेंसी सत्तारूढ़ पार्टी के लिए राजनीतिक उपकरण की तरह काम कर रही हो। 2002 में अधिनियमित पीएमएलए को मनी लॉन्डरिंग से निपटने और यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया था कि आपराधिक गतिविधियों से होने वाली आय को कम किया जाये। हालांकि, राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ उनके उपयोग के लिए इसके कड़े प्रावधानों की आलोचना की गयी है। कानून संपत्तियों की कुर्की, बिना जमानत के गिरफ्तारी और लंबी हिरासत की अनुमति देता है, जिसका इस्तेमाल व्यक्तियों या समूहों को परेशान करने और राजनीतिक रूप से कमजोर करने के लिए किया जा सकता है। हाल के वर्षों में, ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां ईडी ने विपक्षी दलों या प्रतिद्वंद्वी राज्य सरकारों के राजनेताओं को निशाना बनाया है। हाई–प्रोफाइल मामलों में विभिन्न दलों के नेता शामिल रहे हैं, और इन कार्रवाइयों का समय अक्सर महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षणों या चुनावों के साथ मेल खाता है, जिससे आरोप लगते हैं कि ईडी सत्तारूढ़ पार्टी के इशारे पर काम कर रहा है। मनी लॉन्डरिंगकी जांच और मुकदमा चलाने के लिए एजेंसी के व्यापक अधिकार क्षेत्र के बावजूद, पीएमएलए के तहत दोषसिद्धि की दर उल्लेखनीय रूप से कम है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, पंजीकृत हजारों मामलों में से, दोषसिद्धि की दर 10 प्रतिशत से कम है, जो दोषसिद्धि सुनिश्चित करने में एक प्रणालीगत चुनौती का सुझाव देती है, जो जांच प्रक्रिया की प्रभावकारिता और निष्पक्षता पर सवाल उठाती है। इस तरह के दुरुपयोग पर अदालत की वास्तविकता की जांच विशेष रूप से महत्वपूर्ण है और यह दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत दे सकती है। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले प्रत्येक मामले में गिरफ्तारी के लिए विस्तृत आधार प्रस्तुत किये बिना व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के ईडी के अधिकार को बरकरार रखा था। हालांकि, नये फैसले इन शक्तियों के अधिक सूक्ष्म अनुप्रयोग का सुझाव देते हैं, जो प्रत्येक मामले की बारीकियों पर विचार करने वाले संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हैं। न्यायालय के दृष्टिकोण के इन पहलुओं के बीच मौलिक कानूनी सिद्धांतों को बनाये रखने की अनिवार्यता के साथ मनी लॉन्डरिंग से निपटने की आवश्यकता को संतुलित करने की जटिलताओं को उजागर करते हैं।

कंगना रनौत

को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिला झटका, फिल्म इमरजेंसी को तत्काल प्रमाण–पत्र देने से किया इनकार, एक्ट्रेस ने किया रिएक्ट

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को कंगना रनौत निर्देशित फिल्म 'इमरजेंसी' को तुरंत प्रमाण–पत्र जारी करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया और बोर्ड से 18 सितंबर तक किसी भी आपत्ति या अभिवेदन पर निर्णय लेने को कहा। दो जजों की बेंच फिल्म इमरजेंसी के सह–निर्माता जी स्टूडियोज की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित 'इमरजेंसी' का लेखन, निर्देशन और निर्माण रनौत ने किया है। फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन सिख संगठनों द्वारा सिखों के चित्रण और ऐतिहासिक तथ्यों की सटीकता पर चिंता जताए जाने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि वह सीबीएफसी को कोई निर्देश नहीं दे सकता, क्योंकि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पहले ही सेंसर बोर्ड को जबलपुर सिख संगत द्वारा किए गए अभिवेदनों पर निर्णय लेने का आदेश दिया है, जिसने फिल्म की विषय–वस्तु और इसके ट्रेलर पर आपत्ति जताई थी। पीठ ने कहा, न्यायिक औचित्य की मांग है कि ऐसे आदेश पारित नहीं किए जाने चाहिए। इसलिए, हम याचिकाकर्ता द्वारा मांगे गए प्रमाण पत्र को जारी करने के लिए सीबीएफसी को निर्देश देने में असमर्थ हैं। हालांकि, हम वर्तमान याचिका का निपटारा नहीं करते हैं। हम सीबीएफसी को आपत्तियों पर विचार करने का निर्देश देते हैं। हालांकि, अदालत ने कहा कि एक फिल्म बनाने में बहुत अधिक पैसा खर्च होता है और इस मामले को खुला नहीं रखा जा सकता। अदालत ने कहा, फिल्में शुक्रवार को रिलीज होती हैं। इसमें करोड़ों–करोड़ों रुपये निवेश किए गए हैं। अदालत ने सीबीएफसी को भी फटकार लगाई, जब उसके वकील ने आगामी गणपति उत्सव का हवाला देते हुए समय मांगा। अदालत ने कहा कि यह काम न करने और प्रक्रिया में और देरी करने का आधार नहीं हो सकता। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, कंगना रनौत की टीम ने ट्वीट किया, उच्च न्यायालय ने आपातकाल के प्रमाण पत्र को अवैध रूप से रोकने के लिए सेंसर को फटकार लगाई है। मंगलवार को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने दो याचिकाकर्ताओं – जबलपुर सिख संगत और श्री गुरु सिंह सभा – को तीन दिनों के भीतर सीबीएफसी के समक्ष अपनी आपत्तियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करने की अनुमति दी। याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि फिल्म के कुछ दृश्यों ने सिख समुदाय के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है और उन्होंने कंगना रनौत से माफ़ी मांगी है। सुनवाई के दौरान सीबीएफसी ने अदालत को बताया कि उसने फिल्म के लिए अंतिम प्रमाण पत्र जारी नहीं किया है। शिरोमणि अकाली दल ने भी सीबीएफसी को कानूनी नोटिस भेजकर श्इमरजेंसीश की रिलीज रोकने को कहा है।

इंडस्ट्री ने हमेशा से ही मुझे अपनी कहानियां कहने का मौका दिया : अनुष्का रंजन

अभिनेत्री अनुष्का रंजन अपनी पहली फिल्म को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा इंडस्ट्री ने अपनी खुद की कहानियां देने के लिए हमेशा प्रेरित किया है। निर्माता अनु और शशि रंजन की बेटी अनुष्का ने कहा, षनिर्माता के रूप में इस यात्रा पर निकलना एक सपने जैसा है, जिसे मैंने वर्षों से संजोया है। सिनेमा की दुनिया से गहराई से जुड़े परिवार में पली–बढ़ी होने के कारण मुझे हमेशा इंडस्ट्री में अपनी कहानियों का योगदान देने की प्रेरणा मिली है। इस प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। मगर प्री–प्रोडक्शन का काम पहले ही पूरे जोरों पर चल रहा है। इसकी शूटिंग अगले साल के आरंभ में ही शुरू की जाएगी। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म मेरे दिल में एक खास जगह रखती है, और प्री–प्रोडक्शन प्रक्रिया अविश्वसनीय ऊर्जा और उत्साह से भरी हुई है। मैं एक ऐसी टीम के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं जो कहानी कहने के मेरे विजन और जुनून को दिखाती है।'' उन्होंने कहा कि यह अभी भी तय नहीं हुआ है कि मैं या मेरे पति आदित्य सील कलाकारों का हिस्सा होंगे या नही। मगर मेरा पूरा ध्यान एक आकर्षक कहानी बनाने पर है जो दर्शकों को आकर्षित करेगी। इस फिल्म की प्रोडक्शन के अलावा अनुष्का जल्द ही आगामी वेब सीरीज मिक्सचर में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार सह–कलाकार अहाना कुमरा के साथ एक नकारात्मक भूमिका निभाएंगी। आगामी एक्शन थ्रिलर सीरीज का निर्देशन हनीश कालिया ने किया है। यह सीरीज अपराध और रहस्य की दुनिया में गहराई से उतरती है। पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस साल के अंत में रिलीज होने वाली श्मिक्सचरश गोवा की सुंदर पृष्ठभूमि और मुंबई की हलचल भरी सड़कों पर आधारित है, जो दर्शकों को अपने कहानी और एक्शन सीन के साथ एक बेहतरीन अनुभव देने का वादा करती है। अनुष्का ने हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत रोमांटिक कॉमेडी ष्घेडिंग पुलावष् से की थी। उन्होंने श्री नारायण सिंह के निर्देशन में बनी शाहिद कपूर अभिनीत बत्ती गुल मीटर चालू में भी अभिनय किया है। साल 2020 में उन्होंने क्रिस्टल डिसूजा और उनके पति आदित्य सील के साथ फितरत में भी काम किया है।

अपकमिंग मूवी के लिए तमिल सीख रही हैं माहिरा शर्मा

अभिनेत्री श्रद्धा आर्या ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी दोस्त अभिनेत्री माहिरा शर्मा के साथ नजर आ रही हैं। इस वीडियो में श्रद्धा कह रही हैं कि माहिरा अब तमिल सीख रही हैं। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री श्रद्धा आर्या के 58 लाख फॉलोअर्स हैं। इस प्लेटफॉर्म पर शेयर की गई स्टोरी में उन्हें अभिनेत्री माहिरा के साथ मस्ती करते देखा जा सकता है। वीडियो में माहिरा को ऑफ–शोल्डर ब्लैक फ्लोरल शॉर्ट ड्रेस पहने पूल के पास घूमते हुए देखा जा सकता है। स्लीवलेस सफेद ड्रेस पहने हुए श्रद्धा, माहिरा के लिए कलियों का चमन गा रही हैं। अगले वीडियो में हम श्रद्धा को यह कहते हुए सुन सकते हैं, माहिरा जब मुझे पहली बार मिली थी तो वह पंजाबी सीख रही थी। फिर बाद में मुझे पता चला कि वह क्यों पंजाबी सीख रही है.. आज वह मुझे मिली है तो तमिल सीख रही है। अब अनुमान लगाने का कोई मतलब नहीं है कि वह तमिल क्यों सीख रही है.. जाहिर तौर पर तमिल फिल्म कर रही है। श्रद्धा ने अपने करियर की शुरुआत जी टीवी के टैलेंट हंट शो इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोजष से की, जिसमें वह फर्स्ट रनर–अप बनीं। उन्होंने 2006 में तमिल फिल्म कलवानिन कधाली से अभिनेता–निर्देशक एस.जे. सूर्या के साथ अभिनय की शुरुआत की। दिवा ने 2007 में राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित श्निशब्दश से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की, जिसमें अमिताभ बच्चन और जिया खान ने मुख्य भूमिका निभाई है। श्रद्धा ने शो मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की में सुदीप साहिर के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी।वह तुम्हारी पाखी, ड्रीम गर्ल और कुंडली भाग्य जैसे टीवी शो का हिस्सा रही हैं। दूसरी तरफ माहिरा बिग बॉस सीजन 13 का हिस्सा थीं। उन्होंने लहंगा, मेक्सिको कोका, गल करके, रंग लगेया, नजारा, कोका तू ते शराब जैसे कई म्यूजिक वीडियो किए हैं।

महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डालता है टीवी शो श्बादल पे पांव है : आकाश आहूजा

टीवी शो बादल पे पांव है में मुख्य भूमिका निभाने वाले अभिनेता आकाश आहूजा ने कहा कि इस शो में वर्तमान पहलुओं पर बात की गई है। उन्ह्होंने कहा कि यह शो लड़कियों की शिक्षा और सशक्तिकरण के मामले में समाज को वास्तविक बदलाव के लिए प्रेरित करता है। आकाश ने कहा, यह शो लड़कियों के लिए शिक्षा और सशक्तिकरण के बारे में बात करता है, जो वर्तमान समय में बेहद महत्वपूर्ण है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, इस शो में मेरा किरदार बानी की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करता है। वह उसकी क्षमता में विश्वास करता है और उसका मार्गदर्शन करने और उसे प्रोत्साहित करने के लिए हमेशा मौजूद रहता है। जीवन में उसके सामने जो भी चुनौतियां आती है वह उसमें उसकी आगे बढ़कर मदद करता है। यह शो महिला सशक्तिकरण का एक मजबूत संदेश देता है। मैं असल जिंदगी में भी ऐसा ही हूं। मैं महिलाओं के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने और उनके आसमान छूने का समर्थन करता हूं। शो में बानी का किरदार अमनदीप सिद्धू निभा रही हैं। सरगुन मेहता और रवि दुबे के बैनर ड्रीमियाता एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के तहत निर्मित इस शो में लावण्या के रूप में भाविका चौधरी, पूनम खन्ना के रूप में शेफाली राणा, सतीश अरोड़ा के रूप में रमन धागा, चरण के रूप में स्वाति तरार, चेरी के रूप में असीम खान, बिशन के रूप में सूरज थापर, शिल्पा के रूप में मानसी शर्मा, गौरव के रूप में लोकेश बट्टा, मिंटी के रूप में गुरनूर सोढ़ी और बलवंत के रूप में अमन सुधर जैसे कलाकार हैं।

भारत–चीन युद्ध पर आधारित फरहान अख्तर ने अपनी नयी फिल्म की घोषणा की, शेयर किया फिल्म का मोशन पोस्टर

रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अमित चंद्रा के ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज के साथ मिलकर अपनी अगली फिल्म श्120 बहादुरश की घोषणा की है। यह फिल्म मेजर शैतान सिंह पीवीसी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों के जीवन पर आधारित है। 1962 के भारत–चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी यह सैन्य एक्शन फिल्म रेजांग ला की लड़ाई से प्रेरित है, जहां हमारे वर्दीधारी जवानों ने बेजोड़ साहस, वीरता और बलिदान का परिचय दिया था।

पहला पोस्टर

एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज ने दो दिलचस्प मोशन पोस्टर जारी किए हैं, जिसमें फरहान अख्तर को मेजर शैतान सिंह पीवीसी के रूप में पेश किया गया है। फिल्म का पहला शूट शेड्यूल आज (4 सितंबर) लद्दाख में शुरू हो रहा है। स्क्रीन पर दमदार किरदार निभाने के लिए मशहूर फरहान अख्तर अब मेजर शैतान सिंह पीवीसी की भूमिका में नजर आएंगे। मेजर की असाधारण बहादुरी और नेतृत्व का उनका चित्रण इस महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षण के दौरान भारत के सशस्त्र बलों द्वारा किए गए बलिदानों को उजागर करते हुए, गहराई से प्रतिध्वनित होने का वादा करता है।

फिल्म के बारे में

रजनीश 'रज़ी' घई द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, श्120 बहादुरश एक इमर्सिव सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार है। शानदार दृश्यों और एक मनोरंजक कहानी के साथ, फिल्म का उद्देश्य न केवल मनोरंजन करना है, बल्कि भारत के सशस्त्र बलों की वीरता का सम्मान करना भी है। यह फिल्म सैन्य नायकों द्वारा किए गए बलिदानों की एक मार्मिक झलक प्रदान करने का वादा करती है, जो दुनिया भर के दर्शकों को लुभाने वाली उत्कृष्ट कथाएँ देने के लिए एक्सेल एंटरटेनमेंट की प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है। '120 बहादुर' की रिलीज़ की तारीख अभी तक सामने नहीं आई है।

फरहान अख्तर अभिनय में लौटे

फरहान लंबे समय के बाद अभिनय में लौटे हैं। उन्होंने 2021 में मृणाल ठाकुर के साथ फिल्म तूफ़ान में काम किया। हालाँकि अभिनेता लगातार कई प्रोजेक्ट्स का निर्माण कर रहे हैं, लेकिन इस सूची में मिर्ज़ापुर 3, मडगाँव एक्सप्रेस, एंग्री यंग मेन और मेड इन हेवन 2 जैसे नाम शामिल हैं। वह रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी स्टारर डॉन 3 के साथ निर्देशक की कुर्सी पर भी लौटेंगे। हाल ही में, फरहान ने अपना नया सिंगल श्रीच फ़ॉर द स्टार्सश भी रिलीज़ किया।

क्लासिक कॉफी से ऊब गए हैं? इंस्टाग्राम की इन नई रेसिपीज को आजमाएं

अगर आप अपनी सामान्य कॉफी से ऊब चुके हैं और कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं, तो ये बेहतरीन रेसिपीज आपके लिए एकदम सही हैं। क्लासिक कॉफी बहुत बढ़िया और आरामदायक होती है। इसे पीकर आपका दिल खुश हो जाता होगा, लेकिन इसमें कुछ नयापन जोड़ने से यह और भी बेहतर हो जाती है।

तो, अगर आप कुछ नया करने के लिए तैयार हैं, तो इन इंस्टाग्राम–ट्रेंडिंग कॉफ़ी को आज़माएं। ये सिर्फ़ स्वाद के बारे में नहीं बल्कि अनुभव के बारे में भी हैं। ये ड्रिंक्स आपकी आँखों के लिए भी एक ट्रीट हैं, जिनमें खूबसूरत परतें और क्रिएटिव प्रेजेंटेशन हैं।

एक बार जब आप इन्हें बनाकर चखेंगे, तो आप समझ जाएंगे कि लोग अपनी पारंपरिक कॉफी से क्यों हट रहे हैं। चाहे आपको यह गर्म पसंद हो या ठंडी, मीठी या कड़क, यहाँ हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। तो, आगे बढ़ें और अपनी कॉफी की दिनचर्या में बदलाव लाएं, हो सकता है आपको अपनी नई पसंदीदा कॉफी मिल जाए।

आइस्ड लैटे दालचीनी के ट्विस्ट के साथ

सामग्री– अपनी पसंद का 120 मिली दूध, 15 मिली दालचीनी सिरप, 1/2 चम्मच दालचीनी पाउडर और एस्प्रेसो कॉफी

कैसे बनाएं– सबसे पहले दूध को एक गिलास में डालें। इसके बाद इसमें दालचीनी का सिरप और दालचीनी पाउडर डालें। इसे 1–2 मिनट तक फेंटें जब तक कि यह मलाईदार और अच्छी तरह से मिल न जाए। इसके बाद इसमें एस्प्रेसो डालें और फिर ऊपर से थोड़ा दालचीनी पाउडर दालचीनी पाउडर छिड़क दें।

वेट लॉस में नींबू और शहद का पानी किस तरह से कारगर साबित होगा, जानें कैसे सेवन करें

आज के समय में ज्यादातर लोग मोटापे से परेशान हैं। खराब जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से मोटापा बढ़ने लगता है। इस मोटापे की वजह से पर्सनैलिटी पर प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, ज्यादा वजन के कारण कई खतरनाक बीमारियां होने लगती है। अगर आप ने सही समय पर वेट कम नहीं किया तो यह आपके लिए मुसीबत बन जाएगा। वेट लॉस करने के लिए आपको ज्यादा कुछ नहीं करना बस नींबू और शहद का पानी पीने के काफी फायदा होगा। आइए जानते हैं नींबू और शहद का पानी कैसे वजन कम करता है।

वेट लॉस में मददगार साबित होगा नींबू और शहद

दरअसल, वजन घटाने के लिए नींबू और शहद के पानी का सेवन करने की सलाह हेल्थ एक्सपर्ट देते हैं। गुनगुने पानी में नींबू का रस और शहद मिलाकर पीने से वजन कंट्रोल होता है। वहीं, शरीर का एक्स्ट्रा फैट भी बर्न होता है। नींबू और शहद का पानी पीने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है।

किस समय नींबू और शहद का पानी पिएं

आप इस पानी को सुबह, दिन या रात, किसी भी समय पर ले सकते हैं। अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, नींबू और शहद का पानी सुबह खाली पेट पी सकते हैं। अगर आप रोज सुबह खाली पेट नींबू और शहद का पानी पीने से वजन घटाने में मदद मिलेगी।

वजन घटाने के लिए नींबू और शहद का पानी कब पिएं

– सबसे पहले आप एक गिलास गुनगुना पानी लें।
– इसमें एक नींबू का रस निचोड़ें।
– फिर इसमें शुद्ध शहद मिलाएं।
– आप इस पानी को रोज सुबह पी सकते हैं।

इस बार भी दिल्ली में पधारेंगे लालबाग के राजा! 5 लाख भक्तों के आने की उम्मीद

लालबाग का राजा ट्रस्ट बहुप्रतीक्षित लालबाग का राजा गणेश प्रतिमा के साथ एक असाधारण गणेश महोत्सव की तैयारी कर रहा है। मुंबई की यह प्रसिद्ध प्रतिमा एक बार फिर नई दिल्ली में प्रदर्शित की जाएगी। यह पहली बार 2015 में दिल्ली में दिखाई दी थी। सोमवार को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यक्रम के विवरण का खुलासा किया गया।

7 से 16 सितंबर तक चलेगा गणेश महोत्सव

आयोजन समिति के सदस्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने घोषणा की उत्सव। तिवारी ने कहा– ष्देश भर से लोग लालबाग के राजा के दर्शन के लिए मुंबई आते हैं। 2015 से हम लालबाग के राजा को दिल्ली भी लेकर आए हैं। मैं दिल्ली एनसीआर के सभी लोगों को हमारे साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं।ष गणेश महोत्सव 7 से 16 सितंबर तक चलने वाला एक भव्य आयोजन होगा। पंडाल 600,000 वर्ग फीट के क्षेत्र में फैला होगा, जिसमें पूरी तरह से लकड़ी का फर्श होगा और इसमें लगभग 500,000 लोग बैठ सकेंगे। इसमें बाबा बागेश्वर जी और अनिरुद्धाचार्य जी महाराज के प्रवचनों के लिए समर्पित खंड होंगे, साथ ही शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम और संगीत प्रदर्शन भी होंगे। यह स्थल मेट्रो स्टेशन के पास सुविधाजनक रूप से स्थित है।

पर्यावरण अनुकूल होगी गणेश की मूर्ति

इस उत्सव में एक विशाल एडवेंचर व्हील और विभिन्न आकर्षण होंगे, जिसमें 100,000 से 500,000 भक्तों के आने की उम्मीद है। उपस्थित लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संगीत प्रदर्शनों और क्षेत्रीय व्यंजनों की पेशकश करने वाले कई तरह के खाद्य स्टॉल का आनंद ले सकते हैं। महोत्सव 7 से 16 सितंबर तक बुराड़ी में सनत निरंकारी समागम के पास डीडीए ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। गणेश प्रतिमा मुंबई की मूर्ति की हूबहू प्रतिकृति होगी, जिसे मूल मूर्ति के समान ही बनाया जाएगा। यह एक पर्यावरण अनुकूल मूर्ति होगी, जिसे आयोजन स्थल पर विशेष रूप से तैयार किए गए गड्ढे में विसर्जित किया जाएगा।

गणेश चतुर्थी से पहले बाजारों मे रौनक

इस बीच, गणेश चतुर्थी से पहले, उत्सव की तैयारी बड़े धूमधाम से शुरू हो गई है। मूर्ति निर्माता भगवान गणेश की पर्यावरण अनुकूल मूर्तियां बना रहे हैं, शहर में पूरे उत्सव के उत्साह के साथ बाजार में चहल–पहल है। मूर्तिकार भगवान गणेश की मूर्तियों को अंतिम रूप देने में व्यस्त हैं। बाजार में विभिन्न आकार, डिजाइन और रंगों की मूर्तियां उपलब्ध हैं। खरीदार अपनी पसंदीदा मूर्तियों की बुकिंग के लिए दुकानों पर जा रहे हैं। हालांकि, इको–फ्रेंडली मूर्तियों की मांग बहुत ज्यादा है, जिसकी वजह से मूर्तिकार ज्यादातर मूर्तियों में प्लास्टर ऑफ पेरिस का कम और मिट्टी का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके साथ ही, उन्हें हर्बल रंगों से सजाया जाता है, जो रासायनिक रंगों की तरह पानी को प्रदूषित नहीं करते।

महिलाओं में बार-बार यूटीआई होना कहीं यह कैंसर का लक्षण तो नहीं ?

यूटीआई (यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन) एक नार्मल स्वास्थ्य समस्या है जो पेशाब के रास्ते में संक्रमण के कारण होती है। इस संक्रमण से पेशाब करते समय जलन, दर्द और बार–बार पेशाब आने की समस्याएं होती हो सकती हैं। लेकिन कई लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि क्या बार–बार यूटीआई होना कैंसर का संकेत हो सकता है? आइए जानते हैं और इस समस्या से निपटने के उपाय के बारे में।

महिलाओं में यूटीआई की अधिक संभावना

यूटीआई महिलाओं में अधिक आम है, लेकिन यह पुरुषों को भी प्रभावित कर सकता है। इसका मुख्य कारण महिलाओं की शारीरिक संरचना है, जिसमें मूत्रमार्ग छोटा होता है और बैक्टीरिया आसानी से ब्लैडर तक पहुंच सकते हैं। महिलाओं में यूटीआई होने की संभावना इसलिए भी ज्यादा होती है क्योंकि मूत्रमार्ग और मलाशय एक–दूसरे के करीब होते हैं, जिससे बैक्टीरिया का संक्रमण जल्दी फैल सकता है।

क्या बार–बार यूटीआई होना कैंसर का लक्षण हो सकता है?

यह एक महत्वपूर्ण सवाल है कि बार–बार यूटीआई होना कैंसर का संकेत हो सकता है या नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार, बार–बार यूटीआई होना हमेशा कैंसर का लक्षण नहीं होता। यूटीआई आमतौर पर बैक्टीरिया के कारण होता है और इसका इलाज एंटीबायोटिक्स से किया जा सकता है। लेकिन अगर किसी व्यक्ति को बार–बार यूटीआई होता है और इसके साथ–साथ खून का आना, वजन कम होना या अत्यधिक थकान जैसे लक्षण भी होते हैं, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कुछ मामलों में, बार–बार यूटीआई होने की वजह शरीर में किसी गंभीर समस्या, जैसे ब्लैडर कैंसर या किडनी से जुड़ी बीमारी, हो सकती है। इसलिए, अगर यूटीआई बार–बार हो रहा है, तो डॉक्टर से परामर्श लेना आवश्यक है।

ऐसे में क्या करना चाहिए?

यदि आपको बार–बार यूटीआई हो रहा है, तो इसे हल्के में न लें। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और उनकी सलाह के अनुसार इलाज करवाएं। यूटीआई का बार–बार होना आपके शरीर में किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, इसलिए समय पर इलाज कराना बेहद जरूरी है। डॉक्टर आपको सही दवाइयां और उपचार का तरीका बताएंगे, जिससे आप इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

यूटीआई से बचने के उपाय

यूटीआई से बचने के लिए कुछ आसान आदतें अपनाई जा सकती हैं

1. साफ–सफाई का ध्यान रखें। हमेशा अपने प्राइवेट पार्ट्स को साफ और सूखा रखें। पेशाब के बाद और शौच के बाद सही सफाई का तरीका अपनाएं।

2. पानी का सेवन बढ़ाएं। अधिक पानी पीने से शरीर से बैक्टीरिया निकल जाते हैं और यूटीआई का खतरा कम हो जाता है। पानी के अलावा नारियल पानी का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

3. संतुलित आहार विटामिन सी युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं।

4. पेशाब को रोकें नहीं जब भी आपको पेशाब आए तुरंत जाएं और इसे रोकें नहीं।

इन साधारण लेकिन प्रभावी आदतों को अपनाकर आप यूटीआई से बच सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। अगर कोई समस्या बनी रहती है या बढ़ती है, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

आईलाइनर को रिमूव करने में यह टिप्स आपकी करेंगे मदद, जानें कैसे हटाएं

औमतार पर महिलाओं को मेकअप करना बेहद पसंद होता है। मेकअप लुक को कंप्लीट करने के लिए आंखो पर आईलाइनर लगाना काफी जरुरी होता है। मेकअप का अहम हिस्सा आईलाइनर होता है। चाहे नो मेकअप लुक हो, सिंपल मेकअप, हैवी मेकअप या मिनिमल मेकअप लुक, इन सब में आईलाइर लगाना काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि, एक बार लाइनर लग जाए तो इसे छुटाना काफी मुश्किल होता है। अगर आप आईलाइनर को सही तरह से साफ नहीं करते हैं तो इसके कारण आपको कई सारी परेशानी हो सकती है। आइए जानते हैं कैसे आईलाइनर को रिमूव करें।

कॉटन पैड का यूज करें

अगर आप मेकअप को रिमूव करने के दौरान कॉटन पैड का यूज करती हैं, तो वहीं आप कॉटन पैड की मदद से आईलाइनर को रिमूव कर सकती हैं। वहीं इसके लिए थोड़ा–सा माईसैलर वॉटर कॉटन पैड लगाएं और इसके बाद हलके से आईलाइनर को हटा ले।

इस तरह से करें इस्तेमाल

– कॉटन पैड पर मेकअप रिमूवर/माईसैलर वॉटर लगाएं।
– फिर इसे अप्लाई करें।
– इसके बाद इसे साफ कर लें।

तेल का करें प्रयोग

आईलाइनर का हटाने के लिए आप नारियल का तेल यूज कर सकते हैं। नारियल तेल जहां त्वचा के लिए मॉइश्चराइज करता है तो आईलाइनर को रिमूव करने में उपयोगी है। अगर आपके पास मेकअप रिमूवर नहीं है तो आप नारियल तेल का करें प्रयोग।

इस तरह से करें इस्तेमाल

–कॉटन पैड को तेल में भिगो लें।
– आंखों पर हल्के से अप्लाई करें।
– कुछ समय बाद आईलाइनर हल्के से साफ करें।

इन बातों का रखें ख्याल

– आप जब आईलाइनर को साफ करें त्वचा पर जोर न डालें।
– हल्के हाथों से लाइनर को हटाएं।
– आईलाइनर वाटरप्रूफ है तो ऑयल–बेस्ड मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करें।
– सही आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

संक्षिप्त

PPF के नए दिशा–निर्देश जारी: 1 अक्टूबर से होना नियमों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में सरकार

पब्लिक प्रोविडेंट फंड निवेश करने का ऐसा तरीका है जिसपर मिडिल क्लास को काफी भरोसा है। ये निवेशकों के बीच काफी मशहूर भी माना जाता है। इसके पीछे मूल कारण ये भी है कि ये सरकारी गारंटी देता है। इससे ये निवेश रिस्क फ्री हो जाता है। इसी बीच वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) खातों के लिए कई नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। जानकारी के मुताबिक पीपीएफ संबंधित नए बदलाव एक अक्टूबर 2024 से लागू होने वाले है। इसके अंतर्गत माइनर्स, एनआरआई या एक से अधिक पीपीएफ खाते रखने वाले व्यक्तियों के खातों में महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे। मंत्रालय ने इन संशोधनों का विवरण देते हुए एक आधिकारिक सर्कुलर जारी किया है। पीपीएफ के संशोधित दिशा–निर्देशों में यह प्रावधान किया गया है कि नाबालिगों के पीपीएफ खातों पर डाकघर बचत खाता (पीओएसए) ब्याज का भुगतान उनकी 18 वर्ष की आयु तक पहुंचने के बाद किया जाएगा। जैसे ही खाताधारक की आयु 18 वर्ष हो जाएगी, तो पीपीएफ ब्याज दर लागू होगी। इन खातों की मैच्योरिटी अवधि अब उस तारीख से शुरू होगी, जिस दिन नाबालिग 18 वर्ष का हो जाएगा। इससे वह स्वतंत्र रूप से पीपीएफ खाता खोलने और संचालित करने के लिए पात्र हो जाएगा।

एक से अधिक पीपीएफ खाते वाले निवेशकों के लिए परिवर्तन

एक से अधिक पीपीएफ खाते रखने वाले निवेशकों को ब्याज मिलने के तरीके में परिवर्तन देखने को मिलेगा। प्राथमिक खाते पर वर्तमान योजना दर पर ब्याज मिलेगा, बशर्ते जमा राशि वार्षिक सीमा के भीतर रहे। सेकेंड्री पीपीएफ खाते में बची राशि को प्राथमिक खाते में मिला दिया जाएगा, बशर्ते कि संयुक्त राशि वार्षिक निवेश सीमा से अधिक न हो। विलय के बाद, प्राथमिक खाते पर योजना दर के अनुसार ब्याज मिलता रहेगा, जबकि सेकेंड्री खातों में अतिरिक्त शेष राशि बिना ब्याज के वापस कर दी जाएगी।

एनआरआई द्वारा पीपीएफ खाते में होगा बदलाव

एनआरआई द्वारा खोले गए पीपीएफ खातों के लिए भी दिशानिर्देश जारी किए गए है। सिर्फ सार्वजनिक भविष्य निधि योजना (पीपीएफ), 1968 के अंतर्गत खोले गए सक्रिय एनआरआई पीपीएफ खातों पर, जहां फॉर्म एच में खाताधारक की निवास स्थिति के बारे में पूछताछ नहीं की गई है, 30 सितंबर, 2024 तक पीओएसए ब्याज दर प्राप्त होगी। 1 अक्टूबर 2024 से इन खातों पर ब्याज नहीं मिलेगा। वित्त मंत्रालय ने सभी पीपीएफ खाताधारकों को सलाह दी है कि वे इन नए दिशानिर्देशों की समीक्षा करें और अपने निवेश से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए इनका अनुपालन सुनिश्चित करें।

सेबी स्टाफ ने वित्त मंत्रालय से की वर्क कल्चर को लेकर शिकायत, टॉक्सिक कार्यशैली को लेकर डंकीइप पुरी बुच घिरी

मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड यानी सेबी के लिए बार बार नई परेशानियां खड़ी हो रही है। सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से लगातार आरोपों में घिरी हुई है। इसी बीच एक बार फिर से सेबी कर्मचारियों ने वित्त मंत्रालय से ऐसी शिकायत की है, जिसके बाद माधवी पुरी बुच फिर चर्चा में आ गई है। इस बार सेबी के अधिकारियों ने वित्त मंत्रालय से पूंजी बाजार नियामक की प्रमुख माधवी पुरी बुच के अधीन टॉक्सिक वर्क कल्चर के बारे में शिकायत की है। पत्र में नेतृत्व पर कठोर भाषा का प्रयोग करने, अवास्तविक लक्ष्य निर्धारित करने तथा सूक्ष्म प्रबंधन करने का आरोप लगाया गया है। इकनोमिक टाइम्स ने बुधवार को सेबी

अधिकारियों द्वारा 6 अगस्त को लिखे गए पत्र का हवाला देते हुए बताया कि वित्त मंत्रालय को यह अभूतपूर्व शिकायत पिछले महीने की गई थी। यह नवीनतम घटनाक्रम नियामक की अडानी जांच को लेकर बुच के खिलाफ हितों के टकराव के आरोपों के बीच आया है। अधिकारियों ने श्सेबी अधिकारियों की शिकायतें–सम्मान का आह्वानश शीर्षक से लिखे पत्र में शिकायत की है कि ष्बैठकों में चिल्लाना, डांटना और सार्वजनिक रूप से अपमानित करना आम बात हो गई है। पत्र में कहा गया है कि नेतृत्व टीम के सदस्यों के प्रति कठोर और गैर–पेशेवर भाषा का उपयोग करता है, उनकी मिनट–दर–मिनट गतिविधि पर नज़र रखता है और लक्ष्य बदलते हुए अवास्तविक कार्य लक्ष्य थोपता है। अधिकारियों ने वित्त मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा कि इससे मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ा है और कार्य–जीवन संतुलन बिगड़ गया है। सेबी ने रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ष्कार्य वातावरण के संबंध में, समीक्षा बैठकों का प्रारूप बदल दिया गया है। इसलिए, बैठकों से संबंधित मुद्दे सुलझ गए हैं। पत्र के अनुसार, कर्मचारी रोबोट नहीं हैं, जिनके पास कोई घुंडी है, जिसे घुमाकर कोई आउटपुट बढ़ा सकता है।ष पांच पन्नों के पत्र के अनुसार, प्रबंधन ने सिस्टम में बदलाव किया है और प्रतिगामी नीतियां लागू की हैं, और उनकी शिकायत का मूलष यह है कि नेतृत्व उन्हें नाम से पुकारता है और चिल्लाता है। अधिकारियों ने कहा, ष्उच्चतम स्तर पर लोग लापरवाही से गैर–पेशेवर भाषा का इस्तेमाल करते हैं।ष उन्होंने कहा कि स्थिति ऐसी हो गई है कि ष्वरिष्ठ प्रबंधन की ओर से कोई बचाव नहीं हैष, उन्होंने कहा कि उच्च ग्रेड में काम करने वाले लोगों सहित कई लोगों ने ष्उच्चतम स्तर पर लोगों की प्रतिशोधी प्रकृति के डर से अपनी चिंताओं को मुखर रूप से व्यक्त नहीं करना चुना हैष। पत्र में कहा गया है कि ष्कर्मचारियों के बीच अविश्वास बढ़ रहा है और पिछले 2–3 वर्षों में डर सेबी की मुख्य प्रेरक शक्ति बन गया है। इसमें कहा गया है, ष्बार–बार यह कहा गया है कि सेबी काम की दक्षता में सुधार के लिए सर्वश्रेष्ठ तकनीक अपना रहा है।

कप्तान मसूद ने पाकिस्तान टीम में अनबन की खबरों का किया खंडन, अफरीदी–गिलेस्पी मामले पर दिया यह

कराची। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने अपने और स्टार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के बीच दरार की बढ़ती अटकलों पर विराम लगा दिया है। बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की शर्मनाक टेस्ट सीरीज हार के बाद यह सामने आया था कि टीम में अनबन है। इस दौरान अनबन की कई वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई थीं। एक वीडियो में तो शाहीन को मसूद के कंधे पर से हाथ को हटाते देखा गया था, जबकि दूसरे वीडियो में मसूद ड्रेसिंग रूम में मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी से भिड़ते हुए दिखे थे। अब मसूद ने इन सभी मामलों पर बयान दिया है। मसूद ने स्पष्ट किया कि अफरीदी मामले में गुस्सा नहीं, बल्कि सावधानी थी। मसूद ने बताया कि अफरीदी ने अपना हाथ इसलिए हटाया क्योंकि उन्होंने उस हिस्से पर हाथ रखा था जहां तेज गेंदबाज को चोट लगी थी। मसूद ने कहा कि इसमें और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, श्मुझे लगता है कि जो घटना हुई थी, जहां मैंने शाहीन के कंधे पर हाथ रखा था और उन्होंने इसे हटा दिया था, वह मुझसे नाराज नहीं थे। वह नाहिद राणा से टकरा गए थे और मैंने उस सटीक जगह को छुआ था। दर्द होने पर उन्होंने हाथ हटाया था। एक और घटना घटी थी जहां मसूद को बाउंड्री लाइन पर शाहीन अफरीदी पर चिल्लाते हुए देखा गया था। हालांकि, अब कप्तान ने कहा है कि वह गुस्सा अफरीदी के लिए नहीं था, बल्कि वह मुख्य कोच गिलेस्पी से नाराज थे। मसूद ने कहा कि पुरानी गेंद इस्तेमाल करने को लेकर वह गिलेस्पी से नाराज चल रहे थे और इसका अफरीदी से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, श्मैं जेसन गिलेपी पर गुस्सा था। लिटन के शॉट मारने के बाद हमारी गेंद स्टैंड में चली गई थी। वह गेंद आठ ओवर पुरानी थी। अंपायरों द्वारा गेंद को बदलने के बाद हमने देखा कि यह बहुत पुरानी थी, 18–19 ओवर पुरानी थी और मैं बहस कर रहा था कि हमें एक बेहतर गेंद की जरूरत है। फिर मैंने कुछ अफवाहें देखीं। इसलिए हम मैचों के दौरान सोशल मीडिया कम देखने की कोशिश करते हैं। रावलपिंडी में पाकिस्तान को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बांग्लादेश से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। बांग्लादेश ने पहला टेस्ट 10 विकेट और दूसरा टेस्ट छह विकेट से जीतकर पाकिस्तान का सूपड़ा साफ कर दिया। 2023 में कप्तानी संभालने के बाद से मसूद की लगातार पांचवीं हार थी। उनके कार्यकाल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में हार के साथ हुई। अब उन्हें बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा है। ये हार पाकिस्तान के लिए इसलिए भी शर्मनाक है, क्योंकि उन्हें पहले कभी टेस्ट मैच में बांग्लादेश ने नहीं हराया था। मसूद ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान को टेस्ट में सुधार करने के लिए टीम को अधिक टेस्ट मैच खेलने चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल टी20 अंतरराष्ट्रीय पर ध्यान केंद्रित करने से उनकी टेस्ट टीम आगे नहीं बढ़ पाएगी। मसूद ने शाहीन और नसीम को बाहर करने के फैसले का समर्थन किया और कहा कि वे तीनों प्रारूपों में खेलते हैं और टीम प्रबंधन उन पर कठोर नहीं हो सकता है। उन्होंने अन्य खिलाड़ियों की क्षमता की खोज करने और भविष्य के लिए उन्हें तैयार करने की आवश्यकता के बारे में भी बताया। मसूद ने कहा, श्यह कोई कयामत वाली बात नहीं है। आप हमेशा कोशिश करते रहते हैं, आप हमेशा वापसी करते हैं। आप हमेशा अपनी गलतियों से सीखते हो और लोगों को मौका देने की कोशिश करते हो। मुझे लगता है कि हम सही दिशा में जा रहे हैं। हमारे पास खुर्रम, मुहम्मद अली और मीर हमजा इस टेस्ट सीरीज में मौजूद थे। हम लाल गेंद के प्रदर्शन में भी निरंतरता बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। हम शाहीन और नसीम के प्रति कठोर नहीं हो सकते क्योंकि वे तीनों प्रारूपों में खेल रहे हैं। अगर शाहीन एक साल से लगातार खेल रहे हैं, तो आप उन्हें हर मैच में उन्हें नहीं खिला सकते। आपको अपने स्टॉक का भी निर्माण करना होगा। इसलिए हमें बहुत कुछ देखना होगा। मसूद ने कहा, कुछ चीजें हैं जिन पर हम उम्मीद कर रहे हैं कि शाहीन काम कर सकते हैं। उनके निजी जीवन में भी काफी कुछ घटा। हम चाहते हैं कि शाहीन अफरीदी जितना संभव हो उतना क्रिकेट के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। वह सभी प्रारूपों का खिलाड़ी है और हमारा कार्यक्रम काफी व्यस्त है और हम चाहते हैं कि वह फिट रहें। नसीम और शाहीन के लिए टी20 विश्व कप भी खराब रहा था। पाकिस्तान ग्रुप चरण में बाहर हो गया था। दोनों गेंदबाजों ने तेज गेंदबाजों की मदद करने वाली सतह पर खेलने के बावजूद पांच–पांच विकेट झटके थे।

ईशान किशन को क्या हुआ? अचानक इस बड़े टूर्नामेंट से हुए बाहर

बीसीसीआई ने सार्वजनिक रूप से कुछ भी सूचित नहीं किया है, लेकिन पूरी उम्मीद है कि ईशान किशन पहले दौर में नहीं खेल पाएंगे। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली इंडिया डी गुरुवार से अनंतपुर में रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली इंडिया सी से भिड़ेगी।

भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन के अनंतपुर में टीम सी के खिलाफ दलीप ट्रॉफी के शुरुआती मैच में खेलने की संभावना नहीं है। हालांकि, इसके पीछे के कारण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, इशान का हटना उनकी चोट के कारण है, जो शायद हैमस्ट्रिंग है। हालांकि बीसीसीआई ने सार्वजनिक रूप से कुछ भी सूचित नहीं किया है, लेकिन पूरी उम्मीद है कि इशान पहले दौर में नहीं खेल पाएंगे। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली इंडिया डी गुरुवार से अनंतपुर में रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली इंडिया सी से भिड़ेगी। क्रिकबज ने बताया है कि संजू सैमसन, जो चार टीमों में से किसी का भी हिस्सा नहीं थे, को शामिल किए जाने की संभावना है। चूंकि किशन अभी तक टेस्ट टीम की योजना में नहीं हैं, इसलिए उनके दलीप ट्रॉफी के बाद के चरणों में शामिल होने की उम्मीद है, जब टेस्ट टीम के सदस्य शुरुआती मुकाबलों के बाद चले जाएंगे। किशन ने बुची बाबू टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश के खिलाफ झारखंड के लिए खेलते हुए शतक बनाया लेकिन हैदराबाद के खिलाफ दूसरे मुकाबले में कम स्कोर पर आउट हो गए। किशन का प्रदर्शन उनकी टीम के नतीजों में दिखाई दिया क्योंकि झारखंड ने पहला मैच जीता था लेकिन हैदराबाद से हारने के बाद टीएनसीए द्वारा आयोजित टूर्नामेंट से बाहर हो गया। किशन नवंबर से ही टेस्ट टीम से बाहर हैं। मानसिक स्वास्थ्य खराब होने के बाद, बीसीसीआई ने अनुशासनात्मक आधार पर किशन की खिंचाई की और बाद में घरेलू क्रिकेट में रेड–बॉल मैचों में उपस्थित होने में विफल रहने के बाद उन्हें केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर कर दिया गया।

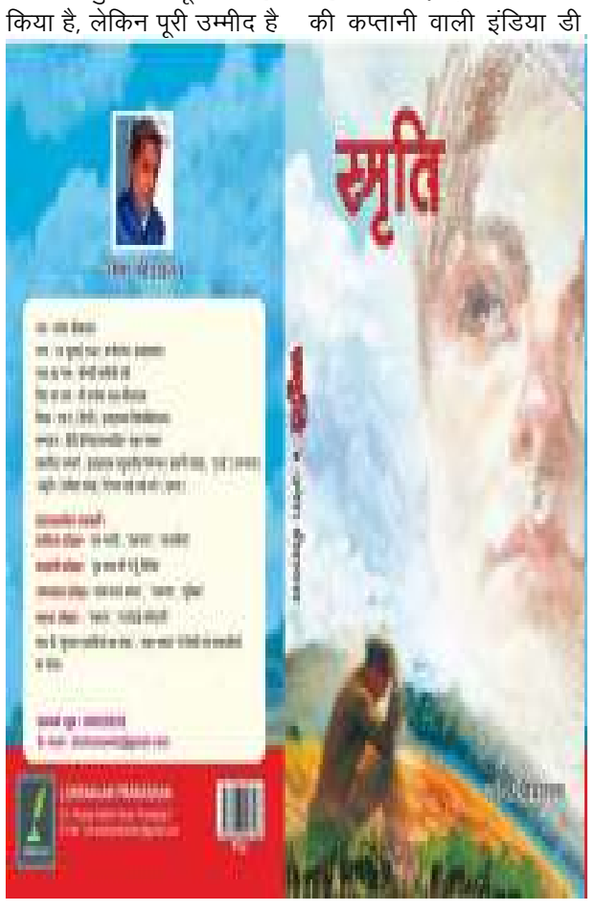

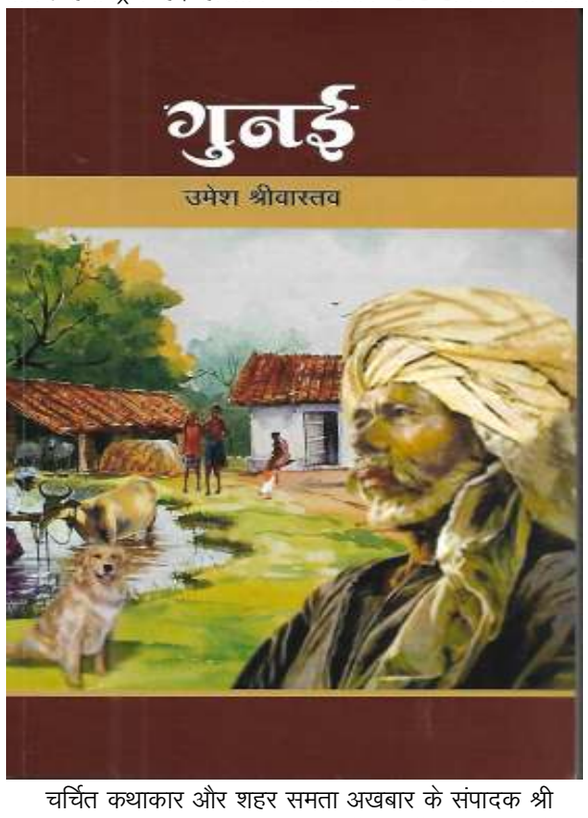

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

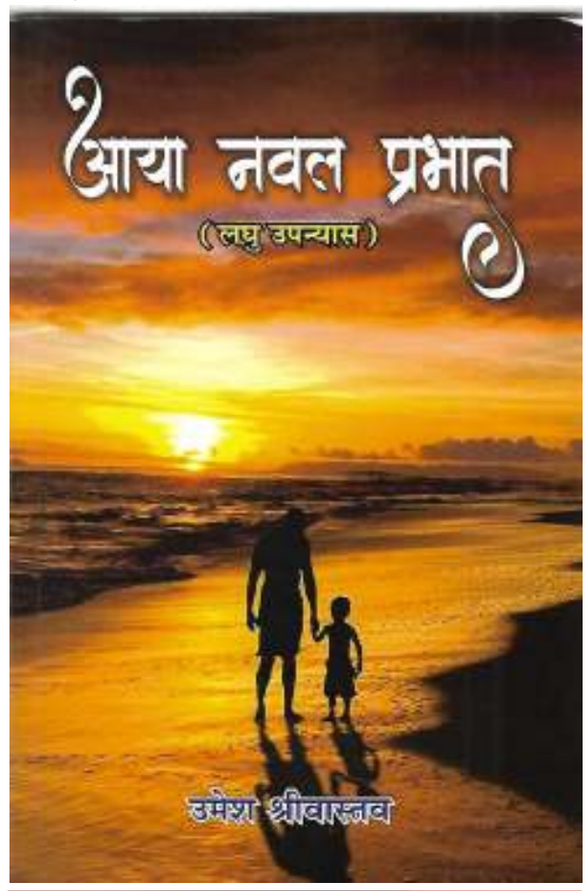

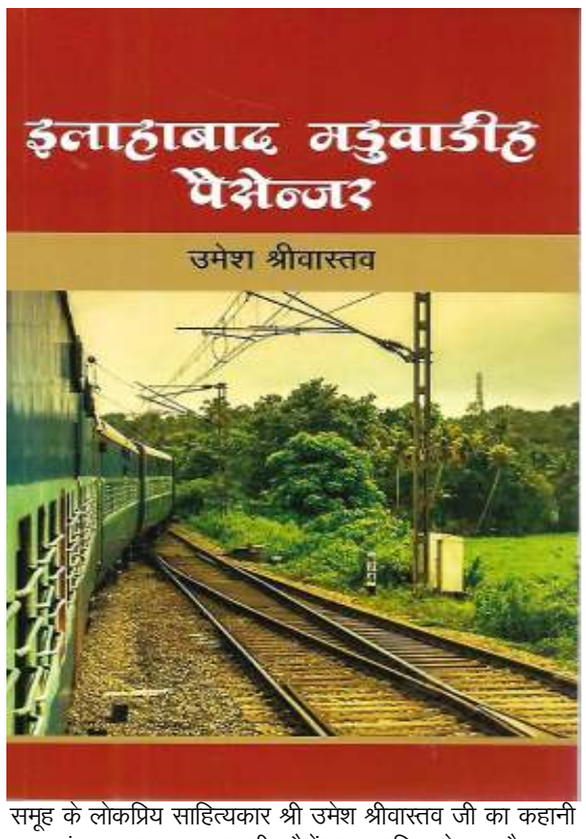

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

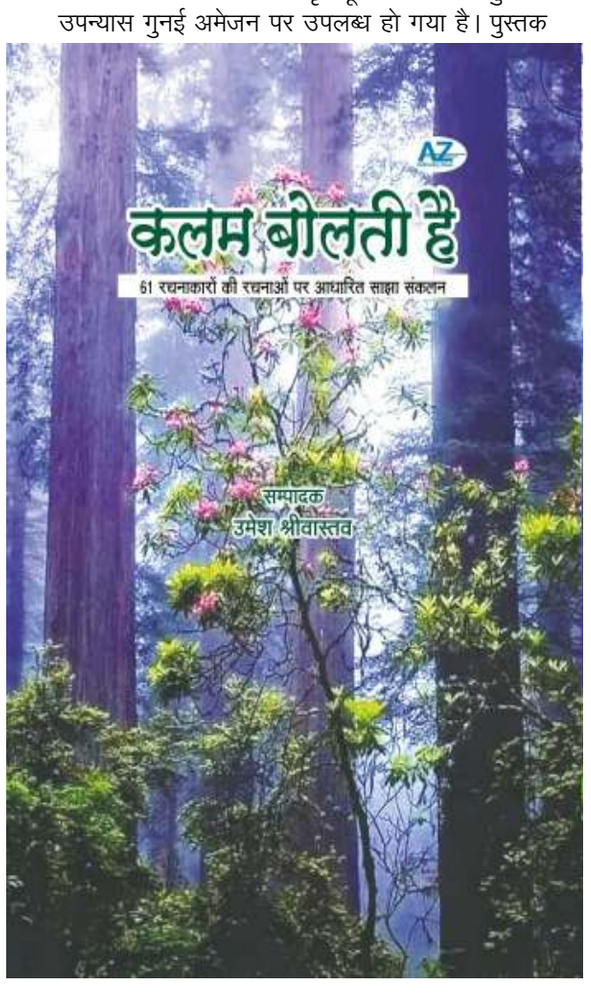

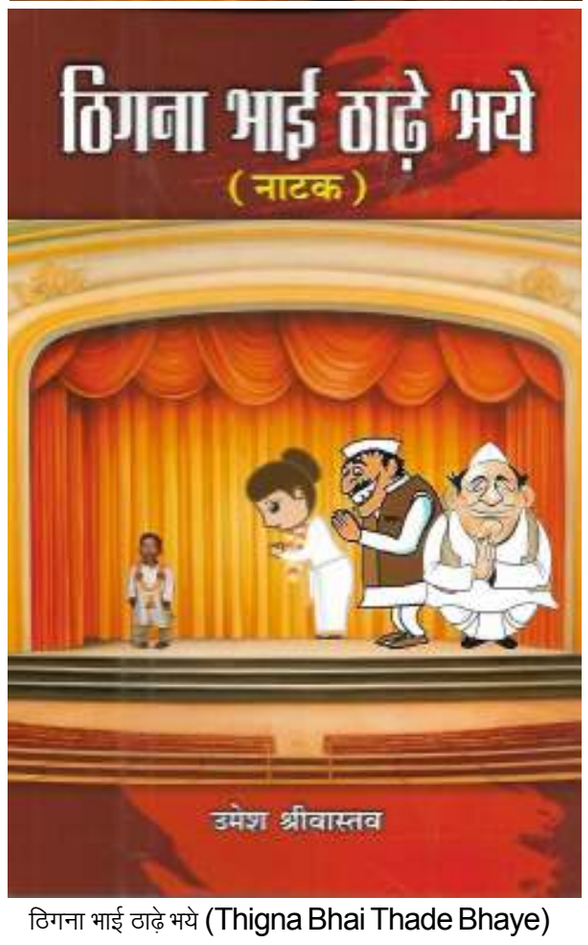

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

सिंगापुर में कुछ इस अंदाज में नजर आए प्रधानमंत्री, खुद ढोल बजाकर प्रवासी भारतीयों के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांचवीं आधिकारिक यात्रा के लिए सिंगापुर पहुंचे। उन्होंने देश में जोरदार स्वागत करते हुए श्ढोलश् बजाकर भारतीय प्रवासियों को अपना मजेदार पक्ष दिखाया। ब्रुनेई की सार्थक यात्रा पूरी करने के बाद सिंगापुर में भारतीय प्रधानमंत्री की दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी का चांगी हवाईअड्डे पर अधिकारियों ने स्वागत किया और भारतीय प्रवासियों ने जोरदार स्वागत किया। मोदी बाद में अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग, राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम, वरिष्ठ मंत्री ली सीन लूंग और एमेरिटस वरिष्ठ मंत्री गोह चोक टोंग से मुलाकात करेंगे। वोंग और ली अलग–अलग भोजन के साथ मोदी की मेजबानी करेंगे। वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने इस हल्के–फुल्के पल पर खुशी मनाई और सिंगापुर में उनका स्वागत किया, जहां वह लगभग छह वर्षों के बाद अपनी पहली यात्रा कर रहे हैं। बाद में एक महिला ने प्रधानमंत्री को राखी भी बांधी और इस मौके पर कई लोग उनके साथ सेल्फी लेने के लिए उमड़ पड़े. जिस होटल में वह ठहरे हैं वहां उन्होंने एक व्यक्ति को अपना ऑटोग्राफ भी दिया। ब्रुनेई की अपनी श्सार्थकश् दो दिवसीय यात्रा के समापन के बाद पीएम मोदी बुधवार को

लगभग छह वर्षों में पहली बार सिंगापुर पहुंचे, जो उनकी पांचवीं आधिकारिक यात्रा थी, जहां वह द्विपक्षीय यात्रा करने वाले पहले भारतीय नेता थे। पीएम मोदी अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर सिंगापुर आए थे। वोंग से मुलाकात के अलावा, मोदी राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम, वरिष्ठ मंत्री ली सीन लूंग और एमेरिटस वरिष्ठ मंत्री गोह चोक टोंग से मुलाकात करेंगे। वोंग और ली अलग–अलग भोजन के साथ मोदी की मेजबानी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नेता भारत–सिंगापुर रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा करेंगे और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान करेंगे। मोदी ने अपनी यात्रा से पहले अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा कि मैं सिंगापुर के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए, विशेष रूप से उन्नत विनिर्माण, डिजिटलीकरण और सतत विकास के नए और उभरते क्षेत्रों में अपनी चर्चा के लिए उत्सुक हूं।

संक्षिप्त

इजराइल को हथियारों का निर्यात रोकने का निर्देश केन्द्र को देने संबंधी याचिका न्यायालय में दाखिल

उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दाखिल कर केन्द्र को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह इजराइल को हथियार और अन्य सैन्य उपकरण निर्यात करने वाली भारतीय कंपनियों के लाइसेंस रद्द करे और नए लाइसेंस नहीं दे। वकील प्रशांत भूषण के माध्यम से दायर जनहित याचिका में रक्षा मंत्रालय को पक्षकार बनाया गया है और कहा गया है कि, ''भारत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संधियों से बंधा हुआ है, जो भारत को युद्ध अपराधों के दोषी देशों को सैन्य

हथियार नहीं देने के लिए बाध्य करते हैं, क्योंकि किसी भी निर्यात का उपयोग अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के गंभीर उल्लंघन के लिए किया जा सकता हैं।'' यह जनहित याचिका 11 लोगों ने दायर की है जिसमें नोएडा निवासी अशोक कुमार शर्मा भी शामिल हैं। याचिका में कहा गया है कि रक्षा मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम सहित कंपनियों द्वारा इजराइल को सैन्य उपकरणों की आपूर्ति, संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत भारत के दायित्वों का उल्लंघन है। गाजा पर इजराइल के हमले में हजारों फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। इससे पहले हमास के बंदूकधारियों ने सात अक्टूबर 2023 की सुबह गाजा की सीमा पार करके इजराइल में धावा बोला और लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी। उन्होंने इजराइल के कई लोगों को बंधक भी बना लिया था।

इस्लामिक स्टेट समूह ने काबुल में हुए आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली

इस्लामिक स्टेट समूह ने काबुल में अभियोजक कार्यालय पर इस हफ्ते हुए आत्मघाती बम विस्फोट की मंगलवार को जिम्मेदारी ली, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए थे और 13 अन्य घायल हुए। समूह ने अपने समाचार मंच 'अमाक' पर एक बयान में कहा कि हमलावर ने विस्फोटक से लैस जैकेट पहनी थी और सोमवार को उसमें विस्फोट कर दिया। बयान के अनुसार, तालिबान सरकार ने अपनी जेलों में जिन लोगों को बंद रखा हुआ है, उसका बदला लेने के लिए यह हमला किया गया। आईएस ने दावा किया कि विस्फोट में 45 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, तालिबान सरकार ने मृतकों की संख्या छह बताई थी। हालांकि, तालिबान सरकार ने मृतकों की संख्या छह बताई थी। यह हमला राजधानी के कला बख्तियार इलाके में हुआ था।

उत्तर कोरिया का तानाशाह बाढ़ से 4000 लोगों की मौत पर भड़का, 30 अधिकारियों को फांसी पर लटकाया

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया का तानाशाह किसी भी गलती या लापरवाही को सहन नहीं कर सकता है। इसका एक ताजा उदाहरण सामने आया है। दरअसल, हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से देश बुरी तरह हिल गया। इस बाढ़ को रोक पाने में नाकाम रहने के कारण सुप्रीम नेता किम जोंग उन भड़क गए और 30 अधिकारियों को फांसी की सजा दे दी। हालांकि, इन लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले भी दर्ज थे। चार हजार से अधिक लोगों की गई जान

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विनाशकारी बाढ़ ने चागांग प्रांत के कुछ हिस्सों को तबाह कर दिया। इसमें 4,000 से ज्यादा उत्तर कोरियाई लोग मारे गए थे। तानाशाह किम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। इस दौरान बाढ़ की भयावहता को देखकर वह क्रोधित हो गए। उन्होंने आव न देखा ताव, तुरंत उबाढ़ में लापरवाही बरतने के आरोप में 30 अधिकारियों को फांसी की सजा दे दी।

एक ही समय में सभी को दी फांसी

दक्षिण कोरिया की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित

क्षेत्र में पार्टी के 20–30 प्रमुख व्यक्तियों को पिछले महीने के अंत में एक ही समय में फांसी दे दी गई थी।। इसके अलावा चागांग प्रांत के बर्खास्त पार्टी सचिव कांग बोंग–हून को भी इस परिस्थिति के लिए गिरफ्तार किया गया। वहीं, किम जोंग उन ने अधिकारियों से उन लोगों को सख्ती से दंडित करने को कहा, जो आपदा को रोकने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाए हैं। हजारों लोग हुए थे बेघर

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया की सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने पहले खबर दी थी कि जुलाई में चागांग प्रांत में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद किम जोंग उन ने अधिकारियों को सख्त सजा देने का आदेश दिया था। इस बाढ़ में लगभग 4,000 लोगों की जान चली गई थी और 15,000 से अधिक लोग बेघर हो गए थे।

अधिकारियों की पहचान उजागर नहीं

नॉर्थ कोरिया में किन अधिकारियों को फांसी दी गई, अब तक उनकी पहचान उजागर नहीं की गई है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ आपदा के दौरान एक आपातकालीन बैठक में किम जोंग उन ने जिन नेताओं को बर्खास्त किया था, उनमें 2019 से चागांग प्रांत की प्रांतीय पार्टी समिति के सचिव कांग बोंग–हून भी शामिल थे।

ब्राजील के बॉडीबिल्डर का 19 साल की उम्र में हुआ निधन, घर में मिला शव; हार्ट अटैक की आशंका

ब्रासिलिया। ब्राजील से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां 19 साल के बॉडीबिल्डर का निधन हो गया। उनका शव रविवार दोपहर उनके घर में मिला। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा कि दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है। मोटापे से उबरने के लिए खेल शुरू करने के बाद मैथ्यूस पावलक ने सिर्फ पांच साल में ही अपने शरीर को बदल लिया था। वह नियमित रूप से प्रतिस्पर्धा करते थे और बॉडीबिल्डिंग समुदाय में एक उभरते हुए सितारे थे, खासकर दक्षिणी ब्राजील के सांता कैटरीना राज्य में, जहां वे रहते थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने हाल ही में क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में चौथा और छठा स्थान हासिल किया था। इसके अलावा, उन्होंने पिछले साल २३ प्रतियोगिता जीती थी, जिससे अपने गृहनगर में मिस्टर ब्लूमेनौ के नाम से फेमस हो गए। एनाबॉलिक एस्टेरॉयड पर उठे सवाल पावलक की अचानक मौत से एनाबॉलिक एस्टेरॉयड पर सवाल उठने लगे हैं। सोशल मीडिया पर आलोचकों का कहना है कि स्टेरॉयड्स के इस्तेमाल की वजह से कम उम्र में दिल का दौरा पड़ने की खबरे आना आम हो गया है। इसी की वजह से हो सकता है कि पावलक की मौत हुई हो। वहीं कुछ लोग बचाव में उतर आए हैं। एक यूजर ने कहा, श्ऐसे इंसान कैसे मौजूद हो सकते हैं जो एक लड़के पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि वह खुद का बचाव करने के लिए नहीं आ सकता है।

चीन के इशारे पर फिर से चलने लगे ओली, नोट के जरिए उठाया भारत के साथ दुश्मनी वाला कदम

नेपाल का केंद्रीय बैंक एक संशोधित मानचित्र वाले नए बैंक नोट छापने की योजना पर आगे बढ़ रहा है, जिसमें भारत के साथ विवादित क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा। संयुक्त प्रवक्ता दिलीराम पोखरेल के अनुसार, कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे क्षेत्रों को शामिल करने का प्रयास करते हुए, नेपाल राष्ट्र बैंक ने यह प्रक्रिया शुरू कर दी है। नेपाल की तरफ से ये कदम 3 मई को

तत्कालीन प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल श्प्रचंडश् के नेतृत्व में कैबिनेट के फैसले के बाद लिया गया है। पोखरेल ने कहा कि बैंक ने नए नोट छापने की प्रक्रिया पहले ही आगे बढ़ा दी है और कहा कि यह काम छह महीने से एक साल में पूरा हो जाएगा। इस कदम के महत्व के बावजूद, बैंक के प्राथमिक प्रवक्ता अतिरिक्त टिप्पणियों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' के नेतृत्व में नेपाल के मंत्रिमंडल ने तीन मई को संशोधित मानचित्र को शामिल करते हुए नए बैंक नोट छापने का निर्णय लिया था, जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया। भारत बार–बार स्पष्ट कर चुका है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। मई 2020 में केपी शर्मा ओली की सरकार के दौरान, नेपाल ने एक नए राजनीतिक मानचित्र का अनावरण किया, जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने क्षेत्र के हिस्से के रूप में चिह्नित किया गया, जिसे बाद में नेपाल की संसद ने समर्थन दिया। इस नक्शे को तब सभी आधिकारिक दस्तावेजों में अपनाया गया था, पिछले नक्शे की जगह, यहां तक कि भारत ने इस क्षेत्र पर अपना दावा जताते हुए आपत्तियां जताई थीं।

टेक्सास में पांच वाहनों की भीषण टक्कर में चार भारतीय जिंदा जले, कारपूलिंग के बाद कर रहे थे सफर

वॉशिंगटन। अमेरिका से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां के टेक्सास में पांच वाहनों की भीषण टक्कर में मंगलवार को चार भारतीयों की मौत हो गई। मरने वालों में एक महिला भी शामिल है। यह दर्दनाक घटना उस समय हुई जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी एसयूवी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार में आग लग गई और सभी यात्रियों की जलकर मौत हो गई। पीड़ितों की पहचान की पुष्टि करने के लिए डीएनए परीक्षण किया जा रहा है। मरने वालों की पहचान हो चुकी है। इनमें आर्यन रघुनाथ ओरमपति, फारूक शेख, लोकेश पलाचारला और दर्शिनी वासुदेवन के रूप में हुई है। ये सभी एक कारपूलिंग एप के जरिए जुड़े थे और अरकंसास के बेंटनविले की ओर जा रहे थे। आर्यन और उनके दोस्त फारूक डलास में एक रिश्तेदार से मिलकर लौट रहे थे, जबकि लोकेश अपनी पत्नी से मिलने जा रहे थे। दर्शिनी, जो यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास से मास्टर डिग्री कर चुकी थीं, अपने अंकल से मिलने जा रही थीं। ओरमपति के पिता सुभाष चंद्र रेड्डी हैदराबाद में मैक्स एग्री जेनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक हैं। ओरमपति ने कोयंबटूर के अमृता विश्व विद्यापीठम से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। उनके एक रिश्तेदार ने बताया कि ओरमपति के माता–पिता मई में उनके दीक्षांत समारोह के लिए अमेरिका आए थे और उससे भारत लौटने के लिए कहा था। उस समय ओरमपति ने अमेरिका में कुछ और समय काम करने की इच्छा जताई थी। फारूक शेख, जो हैदराबाद से थे, बेंटनविले में रह रहे थे और हाल ही में अपनी एमएस डिग्री पूरी की थी। उनके पिता मस्तान वली ने कहा, श्फारूक तीन साल पहले एमएस की डिग्री पूरी करने के लिए अमेरिका गया था। उसने हाल ही में इसे पूरा किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

J.D. Pharma
जे.डी. फार्मा
आपका अपना प्रतिष्ठित एवं विश्वसनीय अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाओं के फुटकर एवं थोक विक्रेता
प्रो.-प्रदीप शुक्ला
झूंसी पुलिया के पास, झूंसी प्रयागराज
मो.–8726413990, 9451484717

कनक हॉस्पिटल
24 घंटे एम्बुलेंस सुविधा
ICU NICU OT/C-arm
08090876928
08737991021
0532-2971697
511, चेतनपुरी कालोनी, कोहना, झूंसी (निकट क्रिया रोग संस्थान), प्रयागराज (उ.प्र.)

KAMLA HOSPITAL
झूंसी कोहना, निकट शास्त्री ब्रिज, प्रयागराज
डॉ० सुनील विश्वकर्मा
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
24/7
Contact :- 0532-2971619, 8840346602

दाँत का अस्पताल
जे.पी. मेमोरियल डेन्टल क्लीनिक
डा. ए.के. वर्मा
B.D.S, MIDA
(मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
डा. एस.के. वर्मा
(दन्त चिकित्सक)
समय : सुबह 10.00 बजे से रात्रि 9.00 तक
Mob.: 9415831236, 9335524400

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

J.D. Pharma
जे.डी. फार्मा
अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाओं के थोक विक्रेता
8726413990, 9451484717